रंगमोहल उतर दिशा की शोभा पुखराज

पुखराज पहाड़

पुखराज

➢ पुखराजी पहाड़

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

परमधाम विहार

कृष्ण पक्ष (वद)	
अष्टमी	पुखरज पहाड़ की तलहटी
नवमी	पुखरज पहाड़ की हजार हांस की चादनी
दसमी	पुखरज पहाड़ का आकाशी महल
एकादशी	बंगलजी – पुखराजी ताल
द्वादशी	बंगलाजी
त्रयोदशी	अधबीच का कुण्ड'
चतुदर्शी	ढपो चबूतर , मूल कुण्ड

पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

- ✓ पुखराज पहाड़
- ➢ पश्चिम की धाटी
- ➢ उतर की धाटी
- ➢ दक्षिण की नहेर
- ➢ बंगलाजी
- ➢ अधबीच का कुण्ड
- ➢ ढपो चबूतरा
- ➢ मूल कुण्ड

गिरद मोहोल बराबर, तरफ तले संकड़ा ।
मोहोल बढ़ते बराबर, चढ़ते अति चौड़ा ।।५।।

खूबी इन पहाड़ की, ऊँचा माहें आकास ।
कई मोहोल बैठक रोसनी, ज्यों रोसन धाम प्रकास ।।११।।

पुखराज पहाड़ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

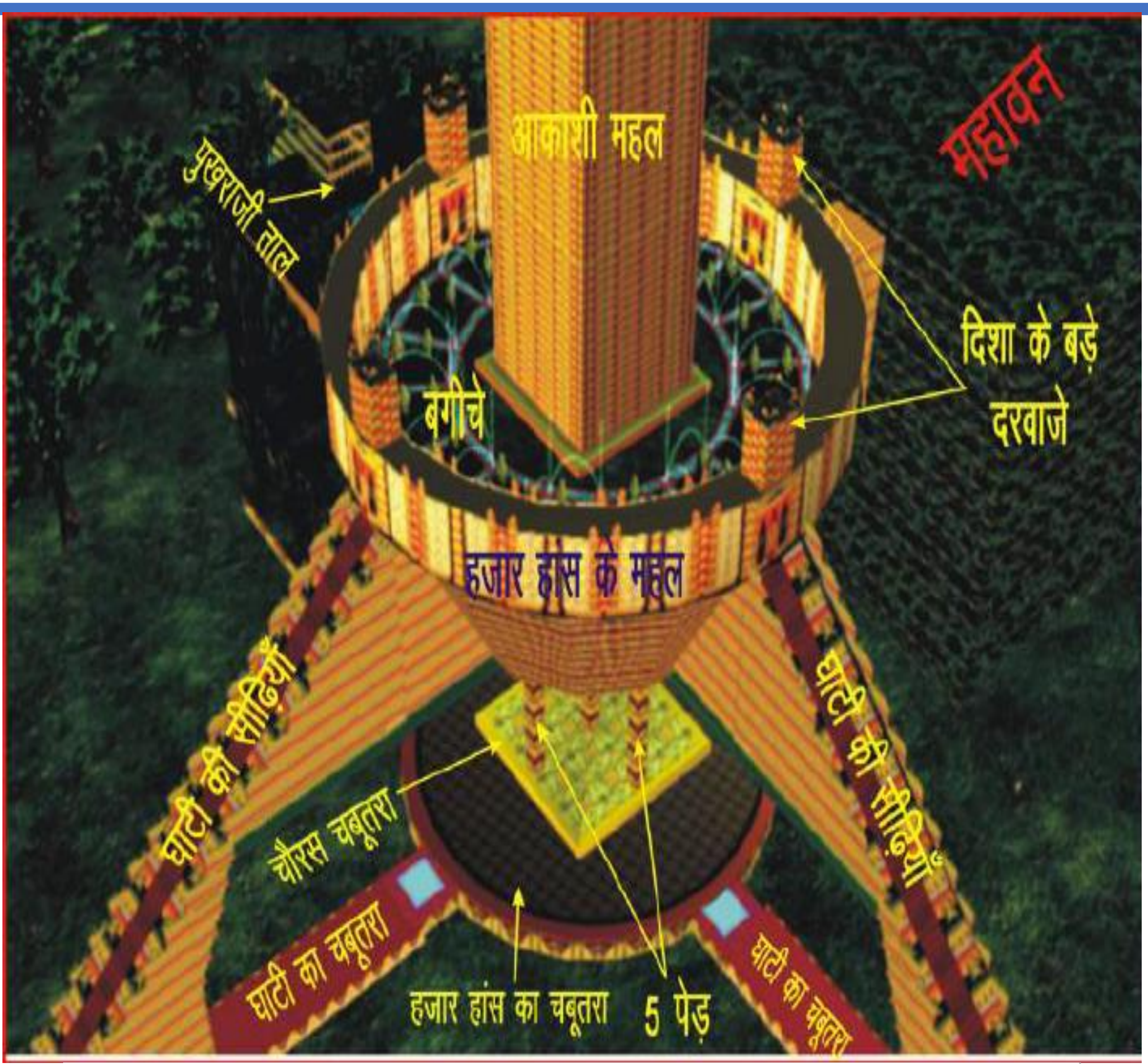

गृद फिरता चबूतरा, कहा हांस एक हजार ।
पेड़ फिरते हजार हांस, हक हादी रूहें नित बिहार ।।२।।

पुखराज पहाड़

- तलहटी
  - बगीचा
  - महल
  - ताल
- चबूतरा
  - गुर्ज
  - सीढियाँ
- पाच पेड़
- छज्जे
  - 6th भोम
  - 250th भोम
- 14 मेहराव
- हजार हांस की चादनी
  - महल
  - दिशा के बड़े दरवाजे
  - बगीचे
- आकाशी महल
  - महल
  - चादनी

पुखराज पहाड़ की शोभा

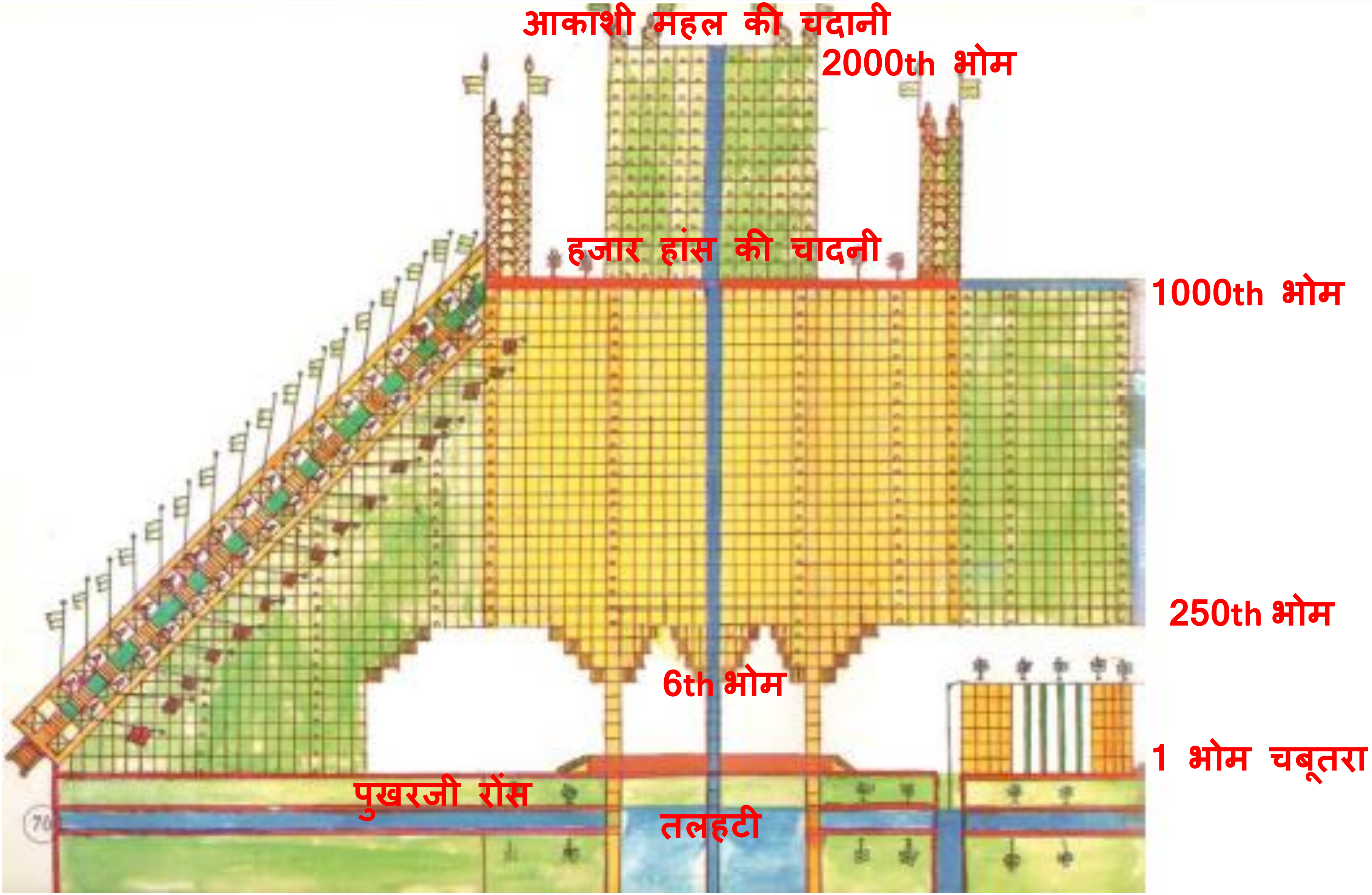
आकाशी महल की चदानी
2000th भोम
हजार हांस की चादनी
1000th भोम
250th भोम
6th भोम
1 भोम चबूतरा
पुखरजी रोंस
तलहटी

आठ पहाड़ तले मोहोल के, ऊपर ताल पुखराज ।
कई मोहोलातें आठों पर, ऊंचे रहे मोहोल बिराज ।।

ताल ऊपर मोहोलात जो, आठ पहाड़ तले जो इन।
मोहोल उपले आकास लों, किया निपट नूर रोसन।।

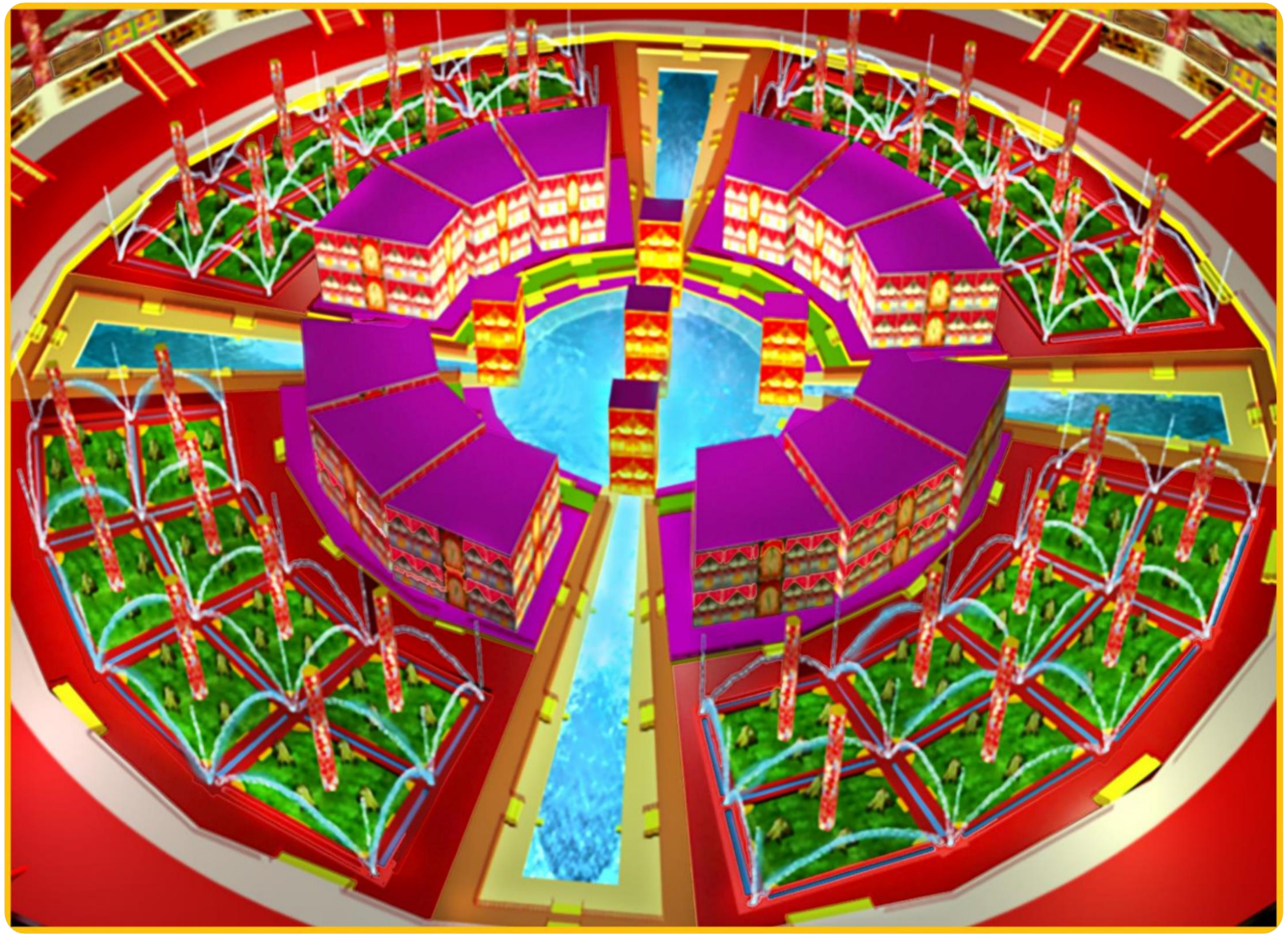

तलहटी

1000 हांस -1 लाख 33 हजार कोस लम्बा चौड़ा

- **सीडियाँ** – भोम पर नीचे
  - सीडियाँ की रोंस
- **बगीचा** – 52 हारें
  - बगिचे की रोंस
  - बगीचे
  - थंभ – 2 भोम
- **महल** – 53 हारें , 2 भोम
  - महल की रोंस
  - महल
- **खजाने का ताल** - 44,000 कोस लम्बा चौड़ा
  - ताल की पाल
  - ताल की जल रोंस
  - जल चबूतरा
  - ताल
  - 5 पेड़ – 2 भोम
- **नहेर**

सो याही छात को लग रहे, ज्यों एक मोहोल चार पाए । ए पांचों फेर के देखिए, खोल के रूह नजर ।
पेड़ पांचमा बीच में, मोहोल पांचों जुदे सोभाए ॥४२॥ ले भोम से लग चांदनी, खूब ऊपर खूबतर ॥४६॥

पुखराज पहाड़ की तलहटी

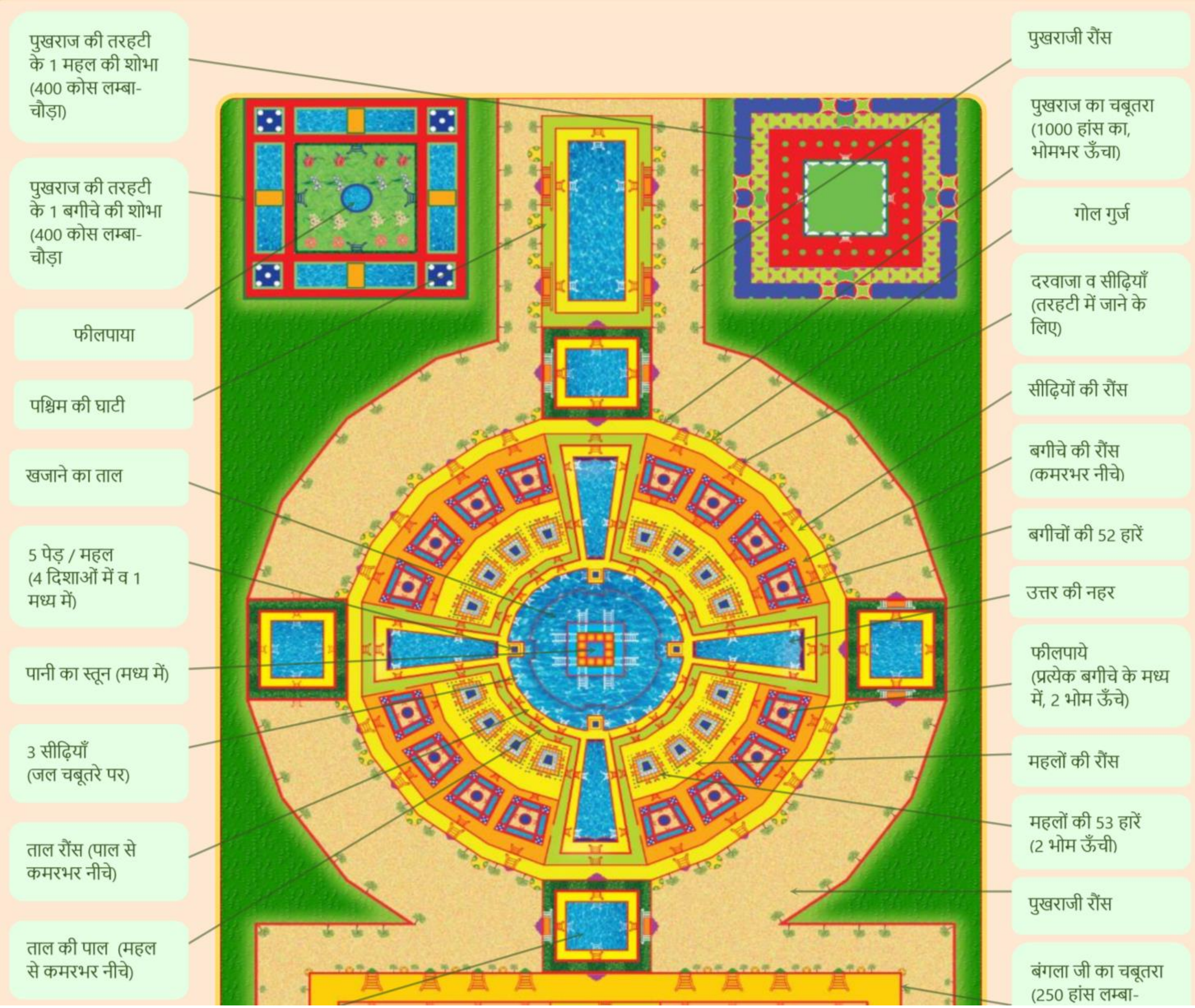

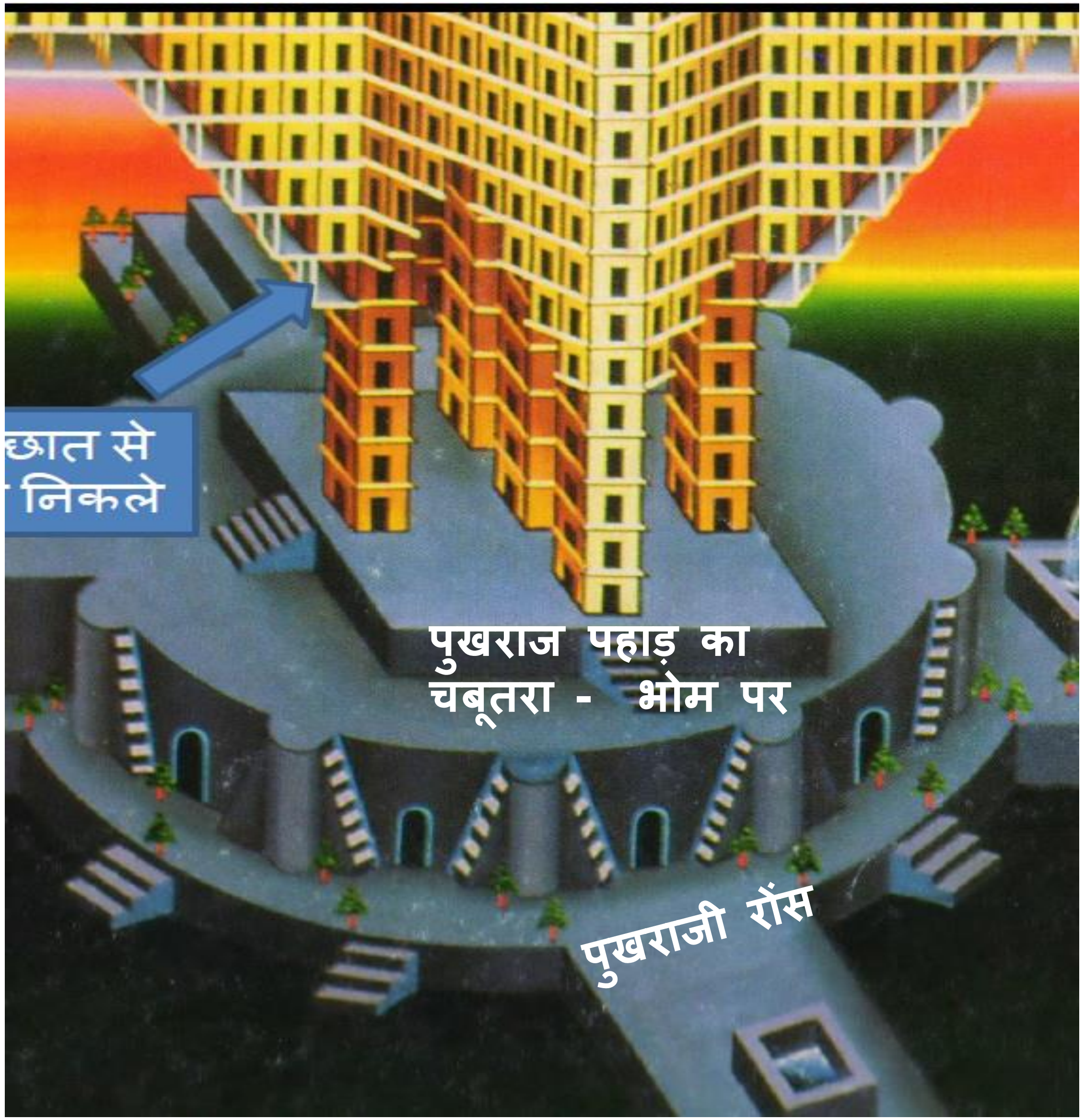

पुखराज पहाड़ की तलहटी

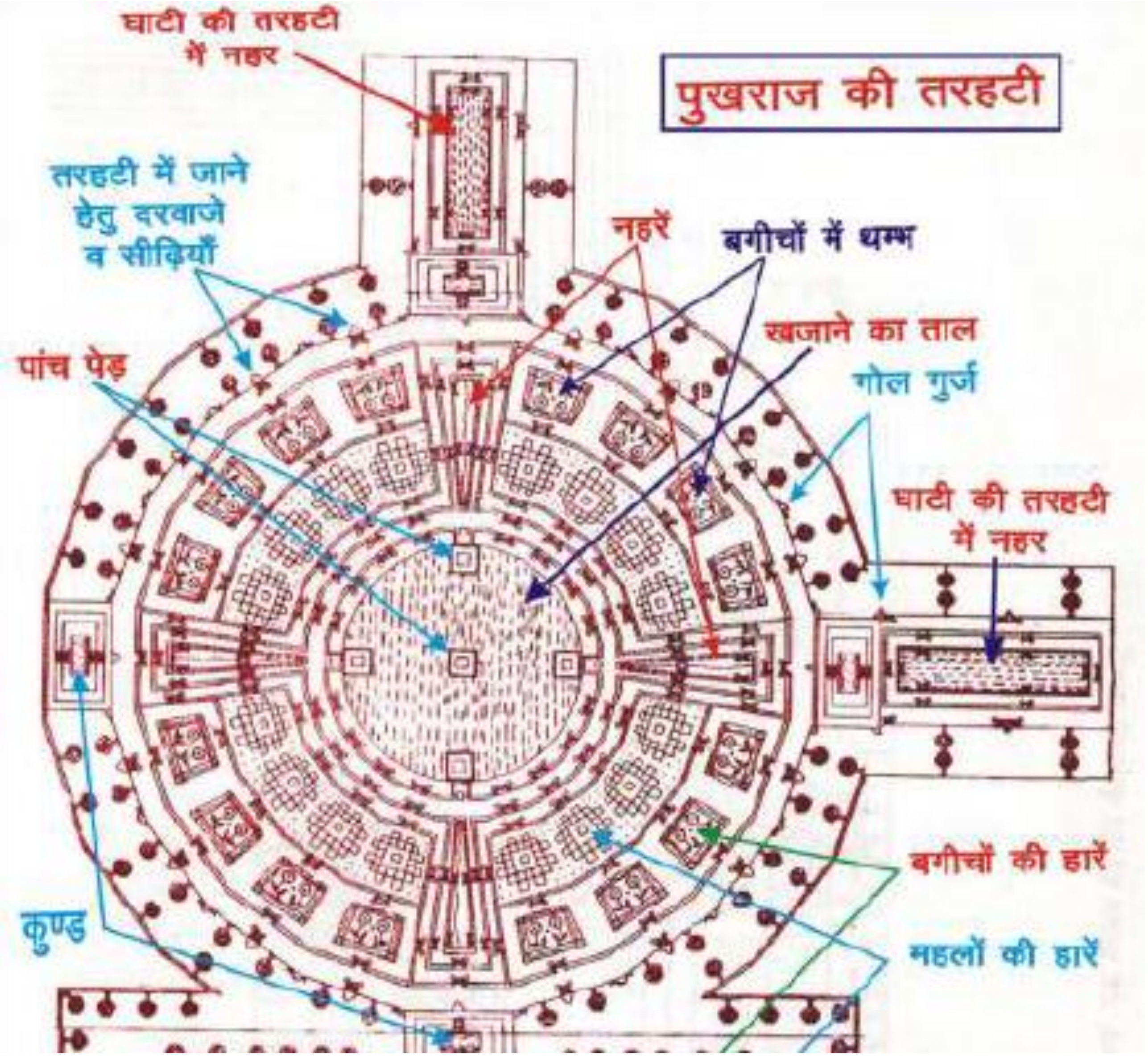

पुखराज पहाड़ की तलहटी

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

सीडियाँ की **रोंस**

52 बगीचों की हार

पाँच पेड़
मध्य पेड़ में पानी का स्तून

53 महलों की हार
2 भोम

बगीचों के थंभ
2 भोम

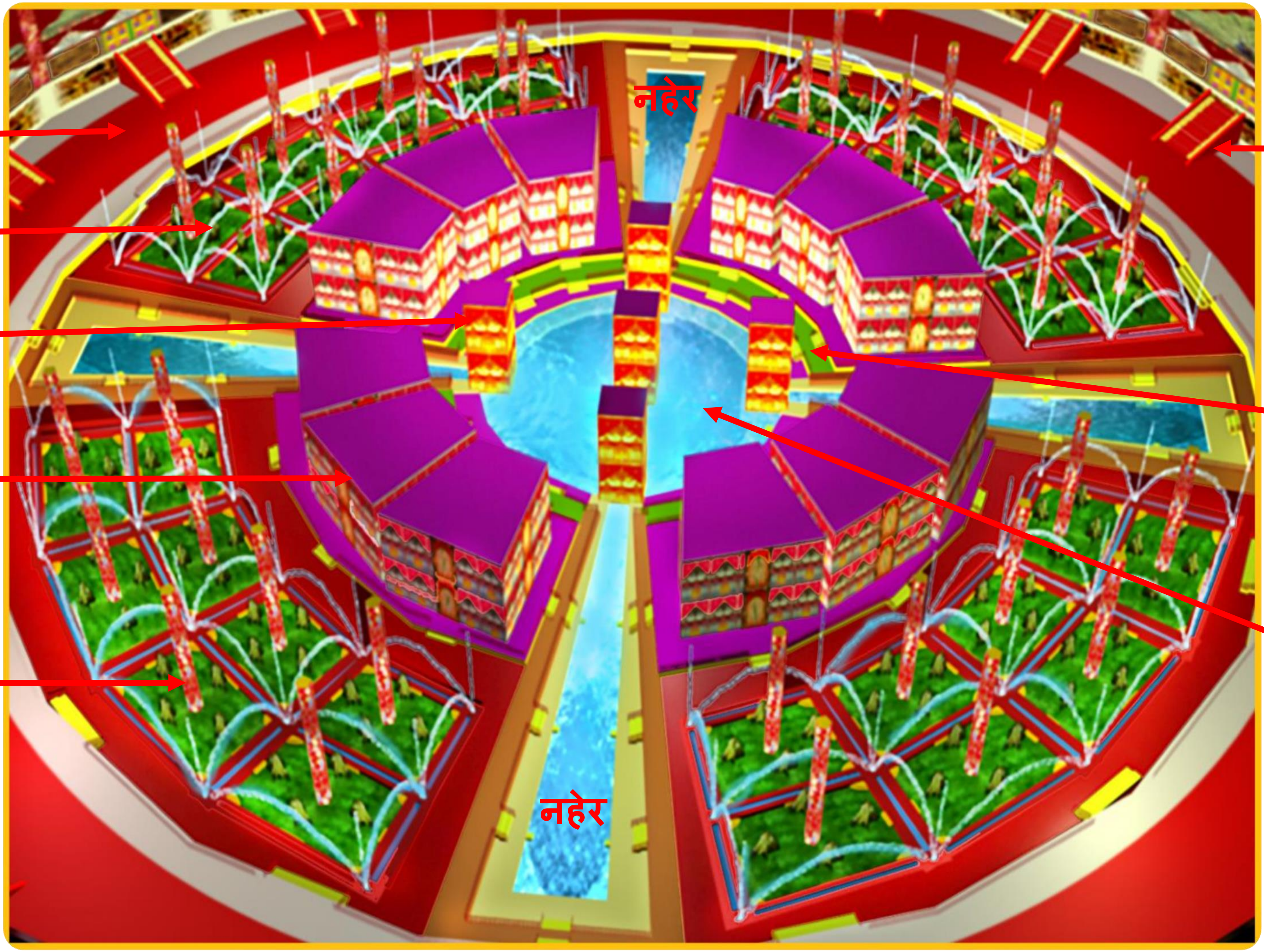

सीडियाँ

खजाने का ताल की
पाल & जल रोंस

खजाने का ताल

पुखराज पहाड़ की तलहटी की रोंस , बगीचे & महल

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

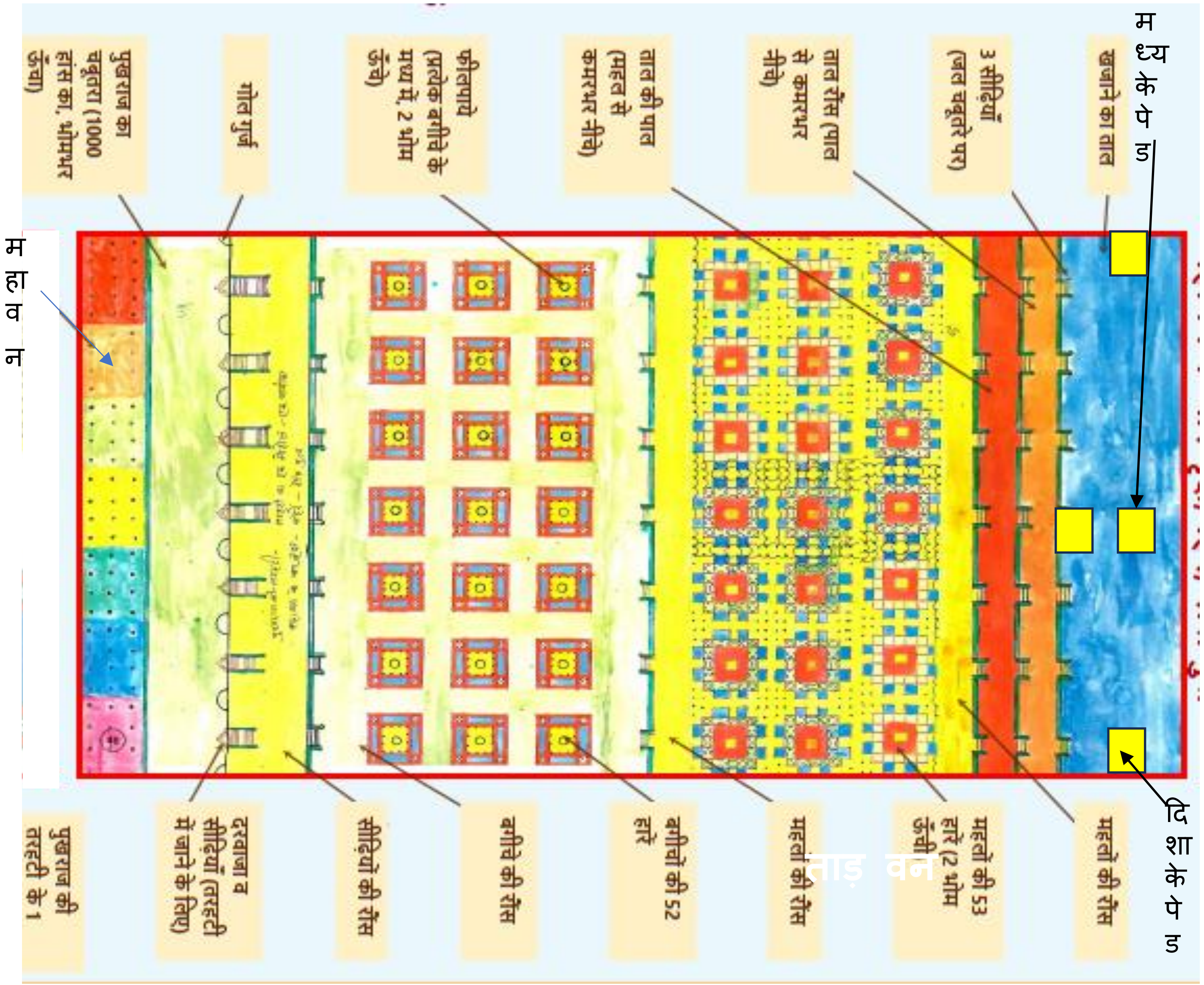

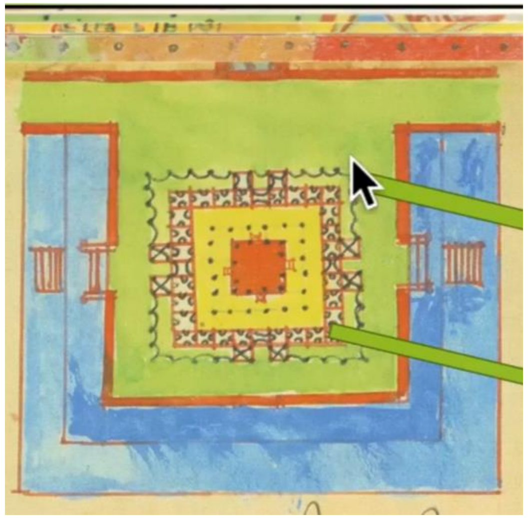
ताल के दिशा का पेड़

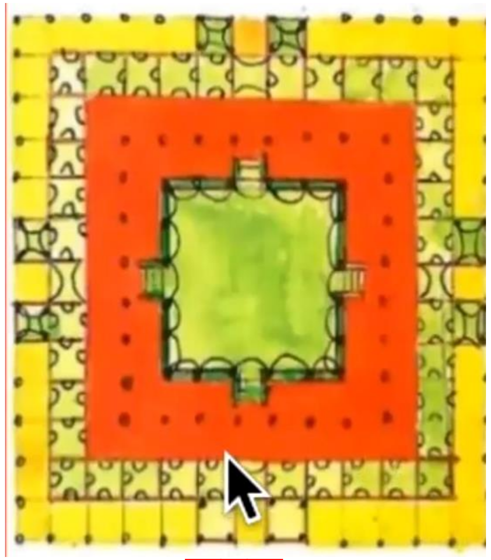
महल

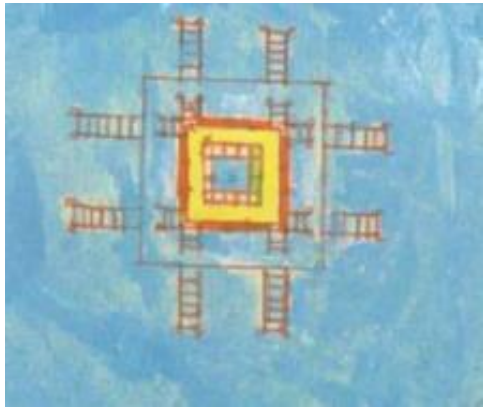
ताल के मध्य का पेड़

बगीचे

पुखराज पहाड़ की तलहटी की सीड़ियाँ & दरवाजे

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

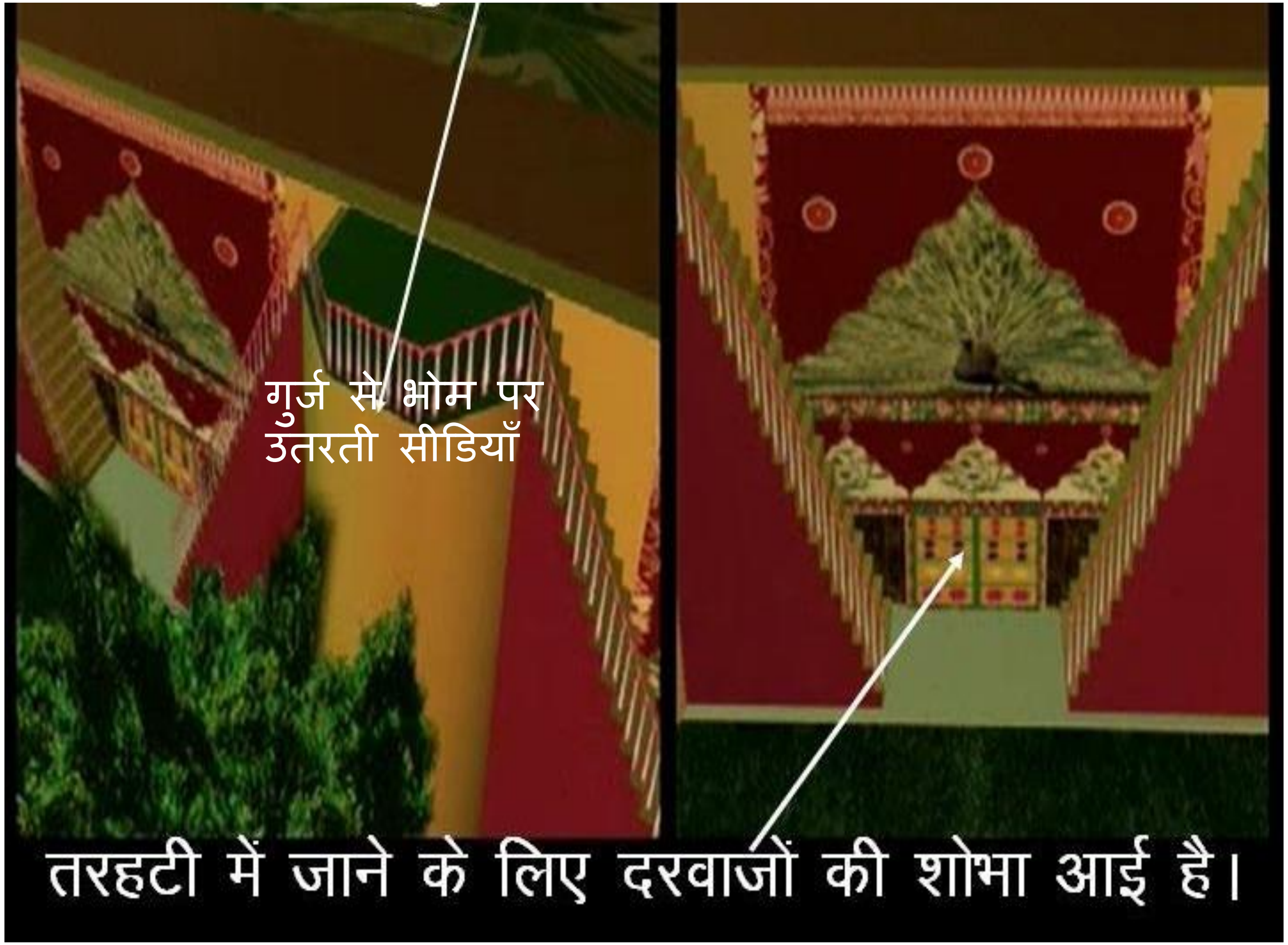

पुखराज पहाड़ की तलहटी – खजाने के ताल & नहेर

चबूतरा

गोल चबूतरा - 1 लाख 33 हजार कोस लम्बा चौड़ा

- **गुर्जे – 1000**
- **सीडियाँ**
- **चोरस चबूतरा – 44,000 कोस लम्बा चौड़ा**
- **पाच पेड़ – 5 भोम के महल**
- **2 भोम के महल**
- **छज्जे**
  - 6th भोम के छज्जे & महल
  - 250th भोम के छज्जे & महल
- **14 मेहराव**

सो याही छात को लग रहे, ज्यों एक मोहोल चार पाए ।
पेड़ पांचमा बीच में, मोहोल पांचों जुदे सोभाए ॥४२॥

ज्यों ज्यों मोहोल ऊंचे चढ़े, तिन चौगिरद[३] थंभ हार ।
चौड़ा ऊंचा चढ़ता, चढ़ता चढ़या विस्तार ॥२८॥
चढ़ते मोहोल मोहोलन पर, जाए लग्या आसमान ।
चढ़ती सोभा सुन्दर, ए क्यों कर कहे जुबान ॥२९॥

हजार हांसों सोभित, तापर गुरज बिराजत ।
मोहोल माहें विध विध के, बैठक झरोखे जुगत ॥३४॥

हजार हांसों हजार रंग, हर हांस हांस नया रंग ।
थंभ रोसन जिमी लग चांदनी, करत मिनो मिने जंग ॥३५॥

पुखराज पहाड़ का चबूतरा

पुखराज पहाड़ का चबूतरा

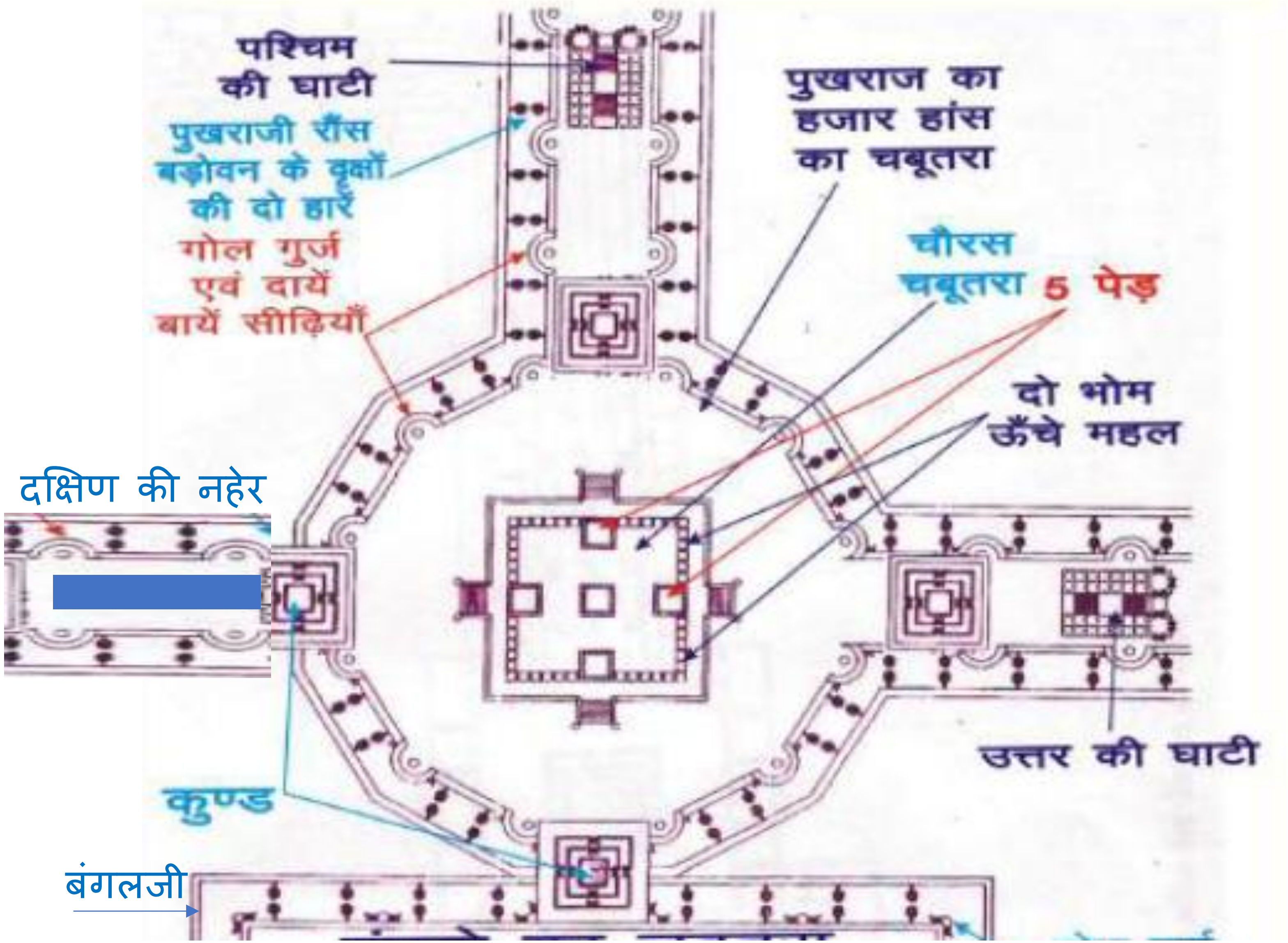

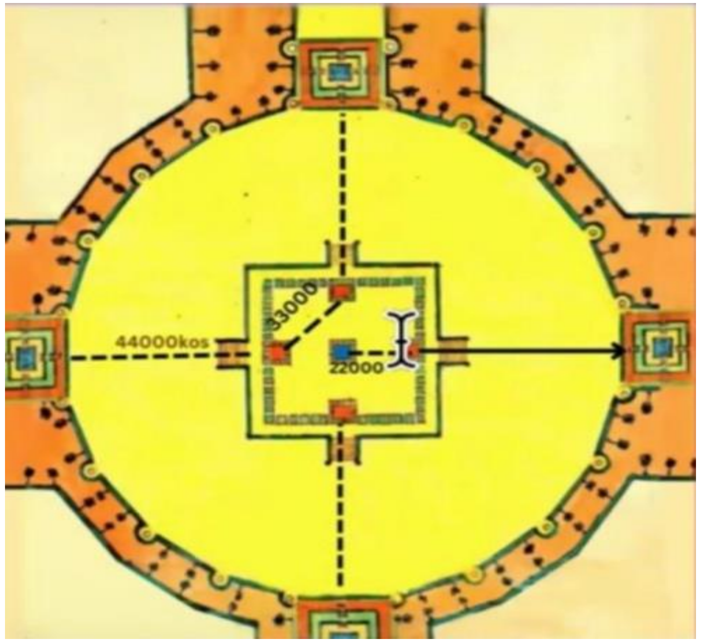

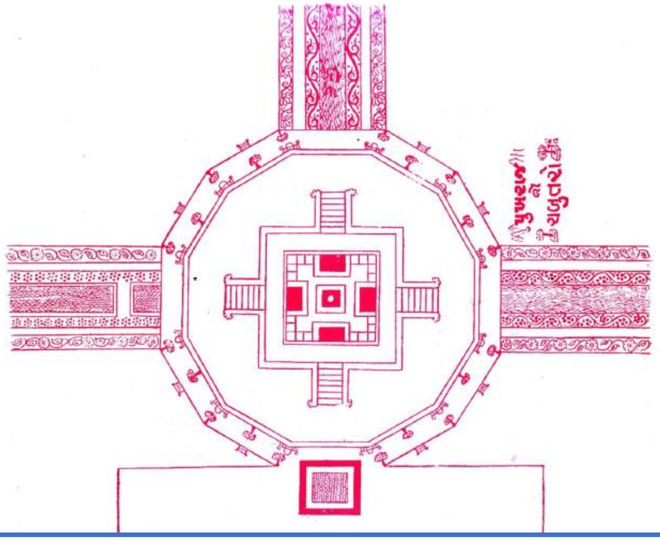

पुखराज पहाड़ के चोरस चबूतरे की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

ए जो चारों थम्भ कहे, ताके गृद चौरस ।
ए जो चबूतरे पर चबूतरा, सो अतंत बन्या सरस ।।१।।

थम्भ हजार हांस सकड़ी, चबूतरे हांस बड़ो विस्तार ।
ता पर फिरता कठेड़ा, बीच बीच बने हैं द्वार ।।३।।

छज्जे गोख कठेड़े बने, फिरते फिरे गृदवाए ।
कई अन्दर मोहोल बने, सो आवत नहीं जुबांए ।।६।।

चढ़ती चढ़ती छातों पर, थम्भ बने अति नूर ।
केतिक छातें बराबर, सो क्यों कर कहूं जहूर ।।५।।

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे शोभा

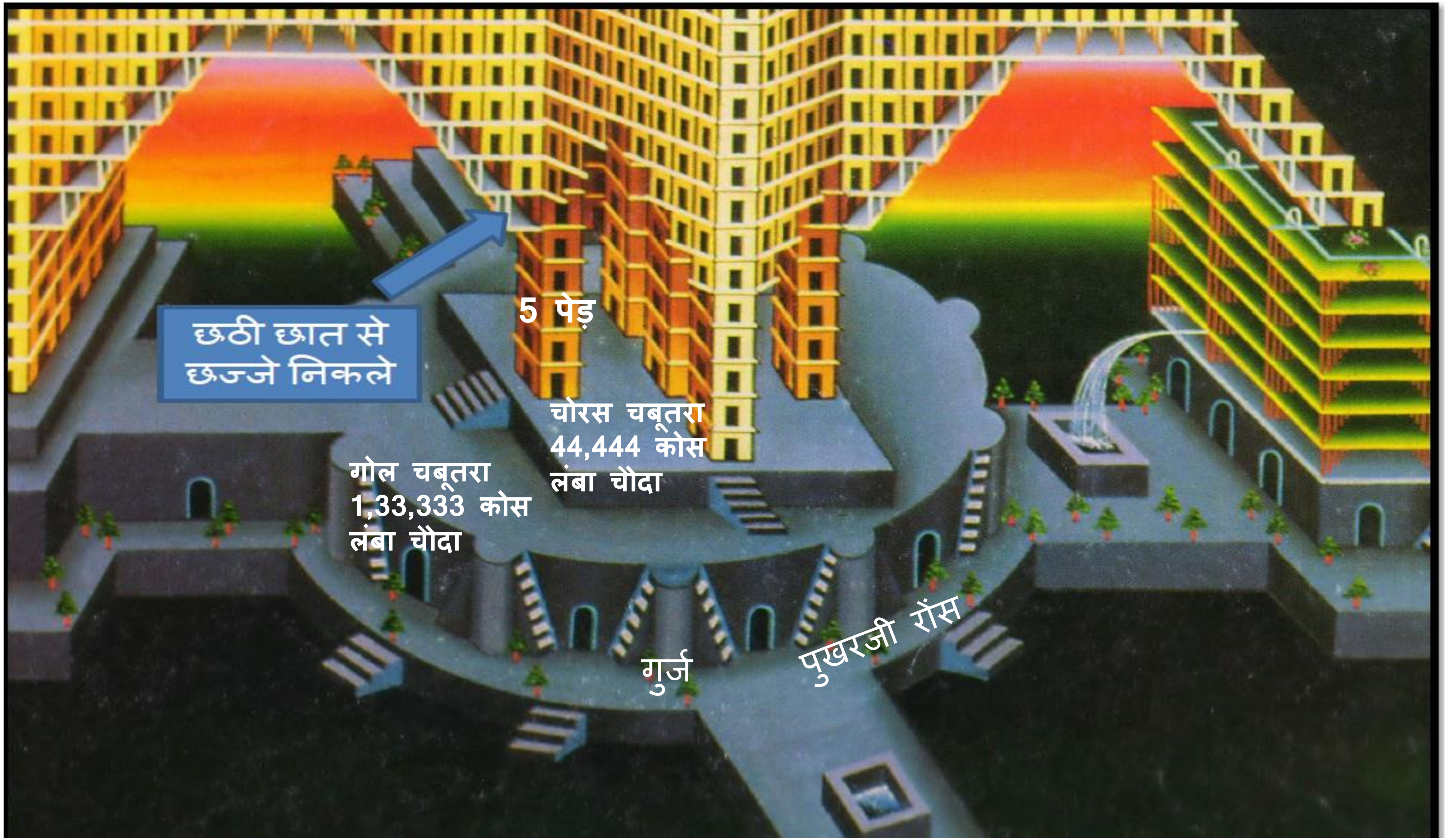

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे की शोभा

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे की शोभा

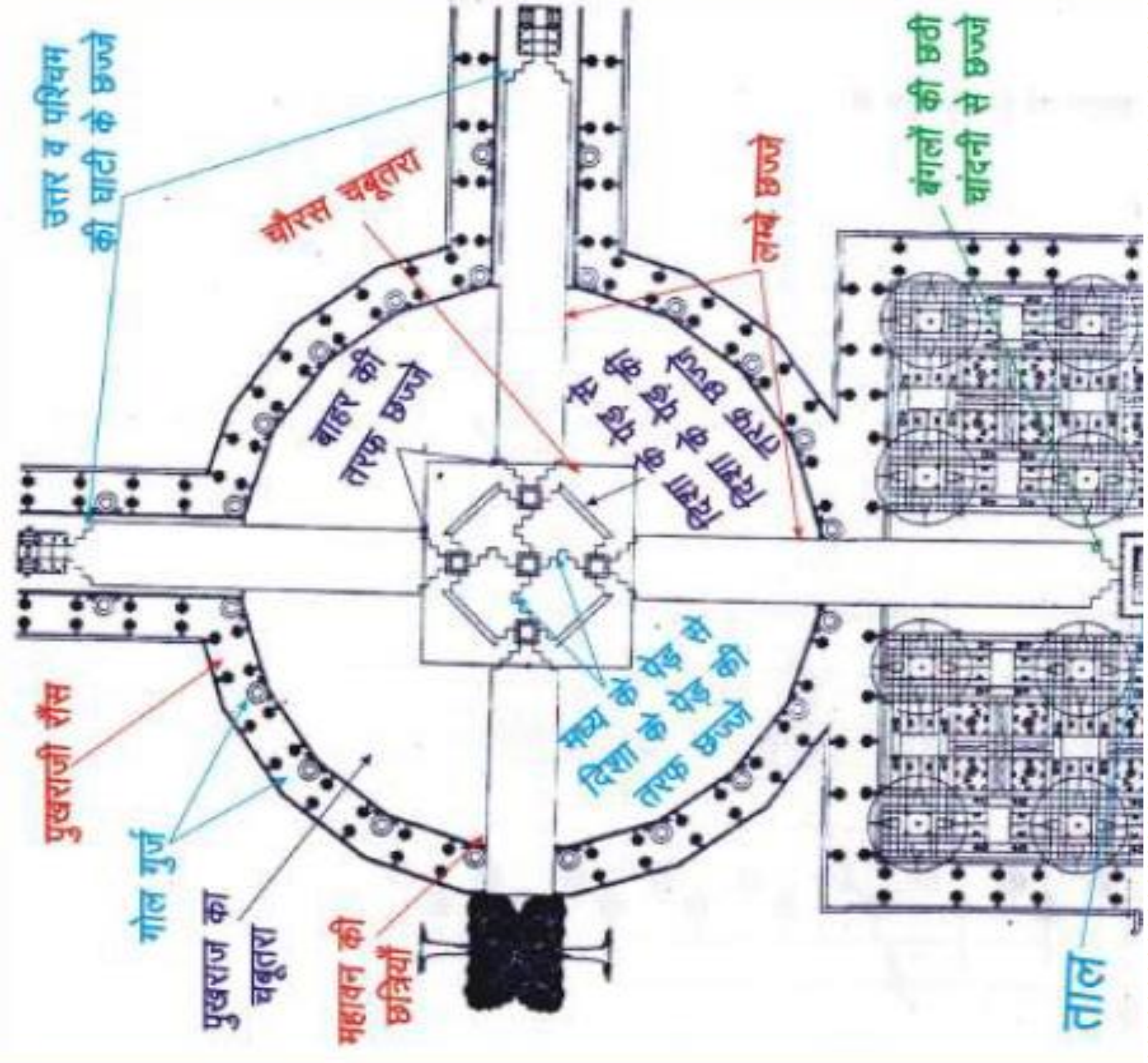

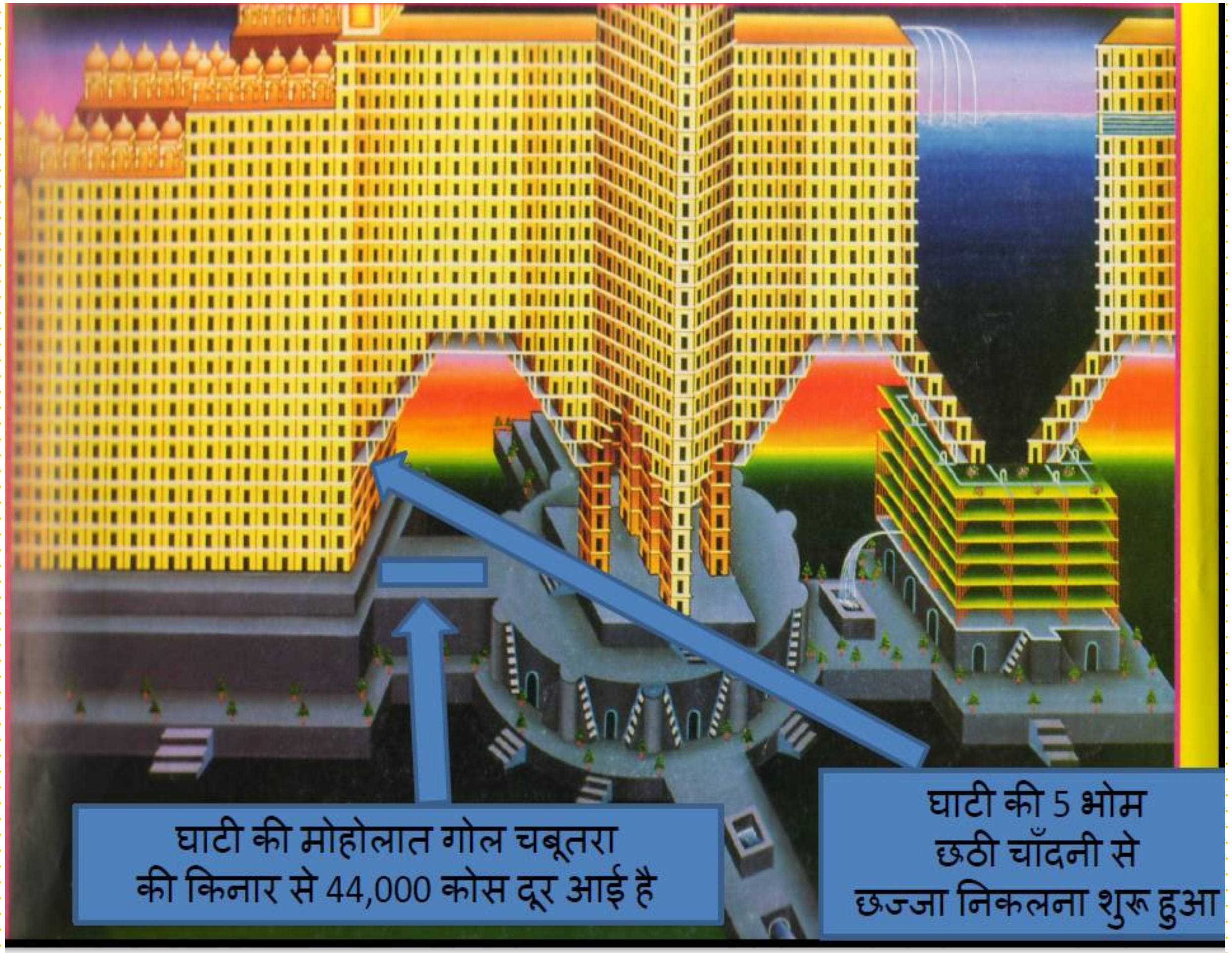

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे – दिशा के पेड़ से मध्य के पेड़

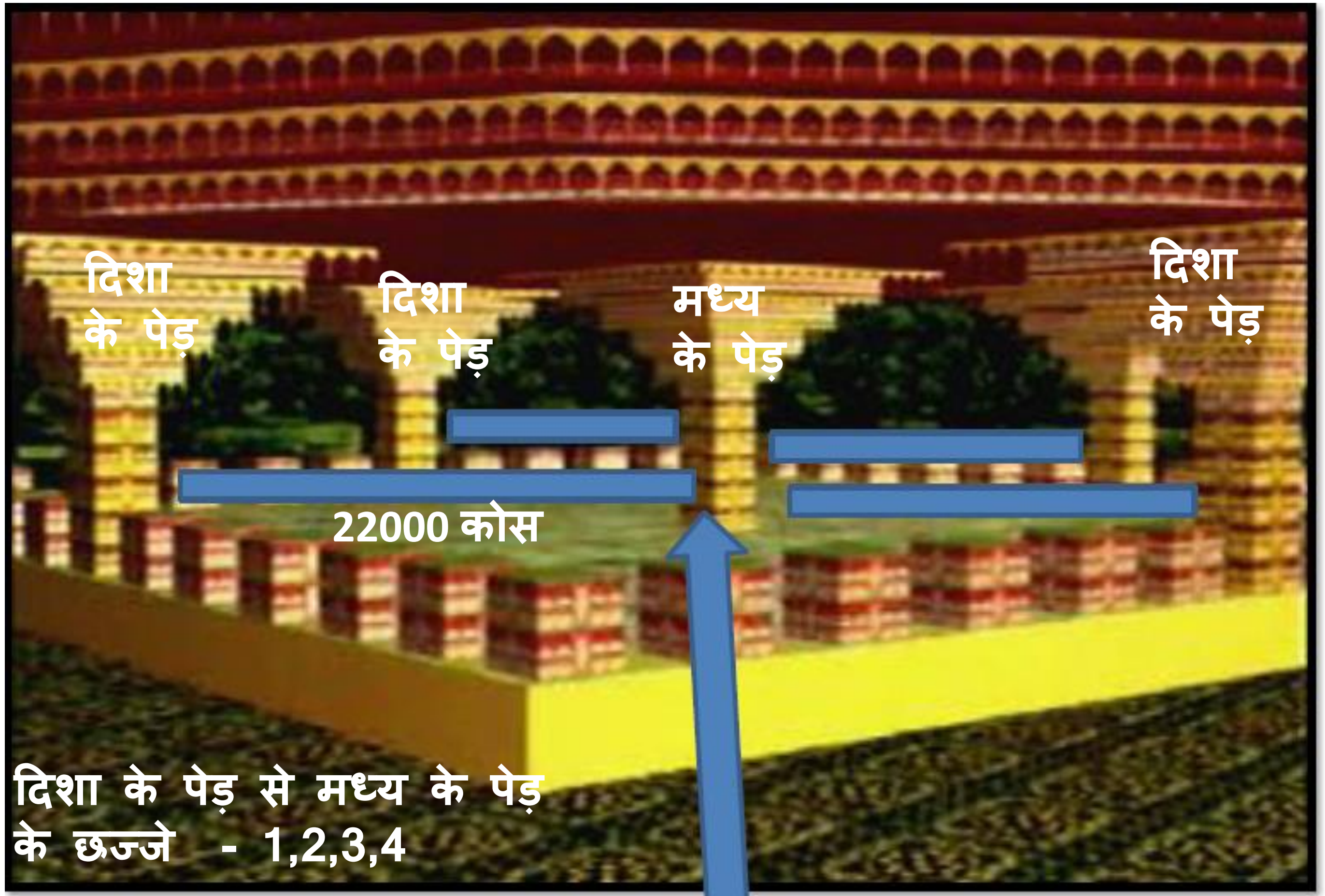

चारो दिशा मे जो 4 पेड़ आए है, उनके छज्जे चारों तरफ निकले है
मध्य के पेड़ के तरफ 11 कोस का छज्जा आया है

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे – दिशा के पेड़ से दिशा के पेड़

दिशा के पेड़ से , दिशा के पेड़ तरफ 16-1/2 कोस का छज्जा आया है

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे – पचिम & उतएर की धाटी एवं बंगलजी से दिशा के पेड़

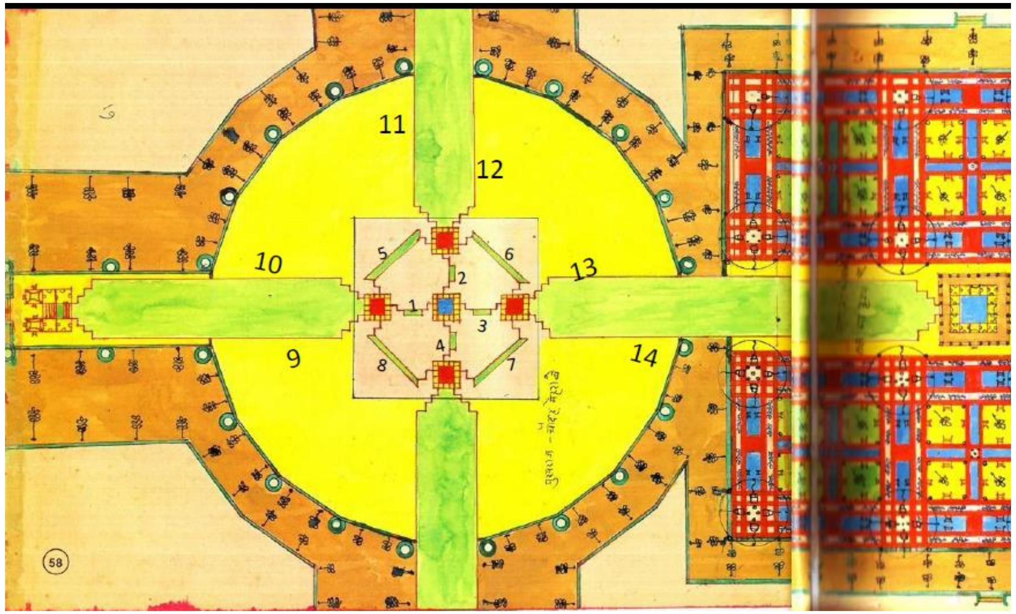

दिशा के पेड़ से पचिम की धाटी , उतर की धाटी & बंगलाजी के पुखरजी ताल के छज्जे 9,10,11,12,13,14

पुखराज पहाड़ के चबूतरे की 14 मेहराबें की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

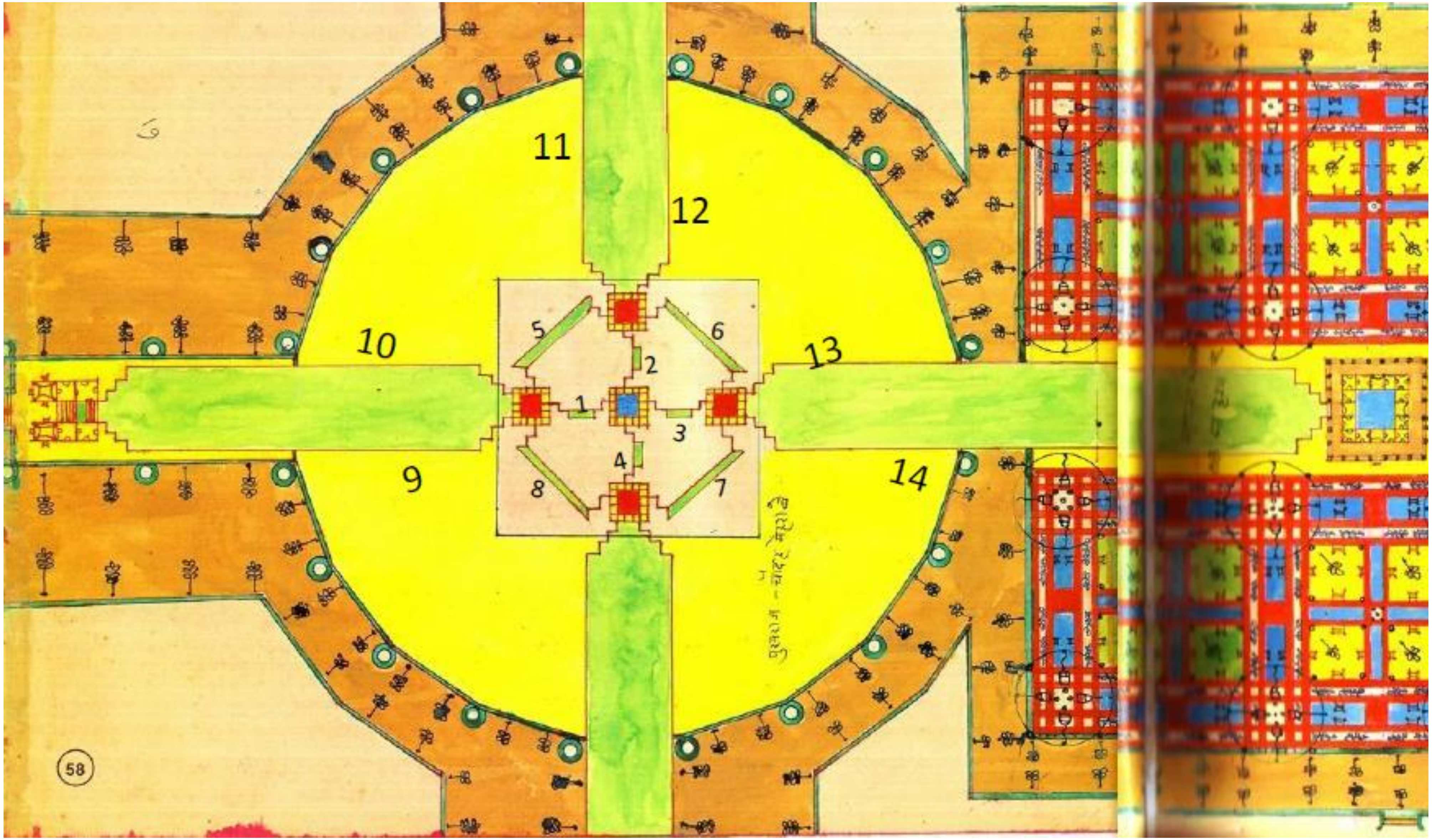

पुखराज पहाड़ के चबूतरे की 14 मेहराबें की शोभा & दक्षिण की पाट (माह वन के वृक्ष से)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

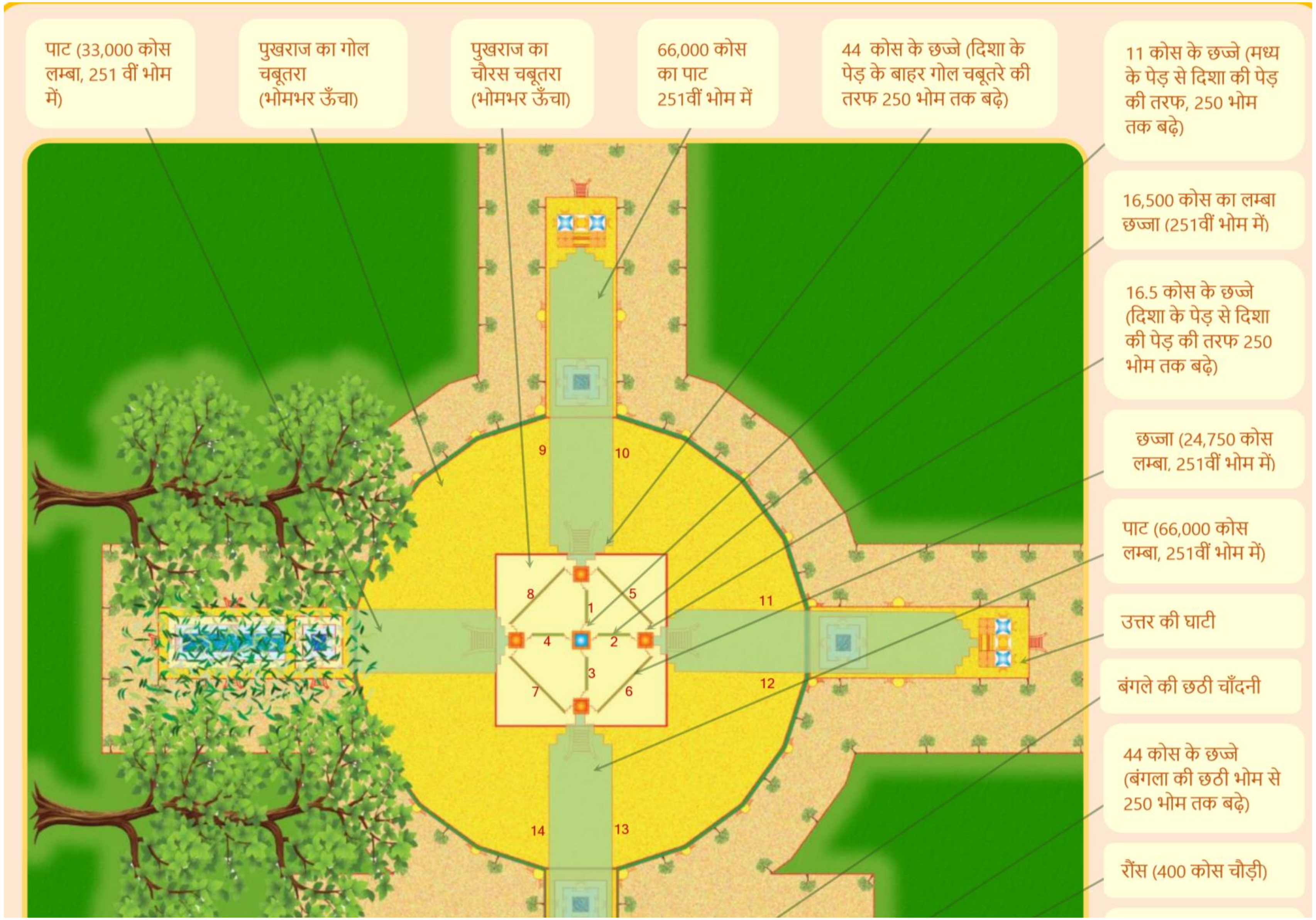

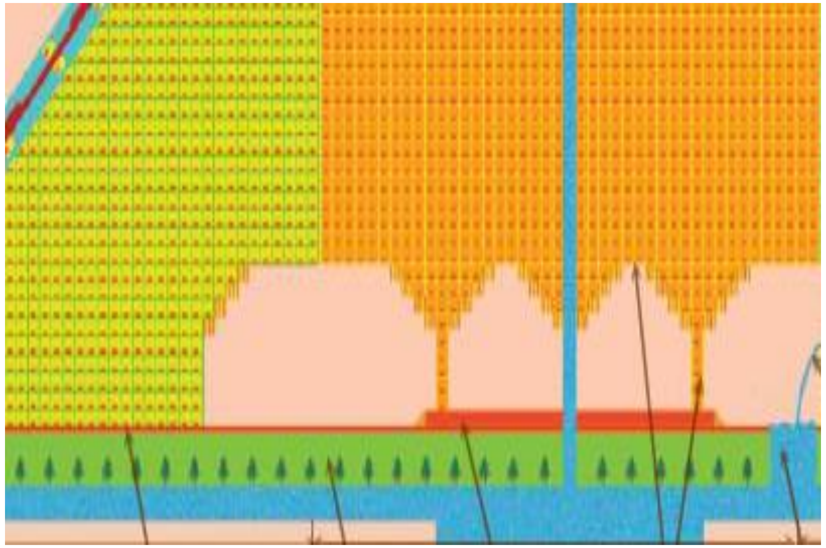

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे & मेहराव की शोभा

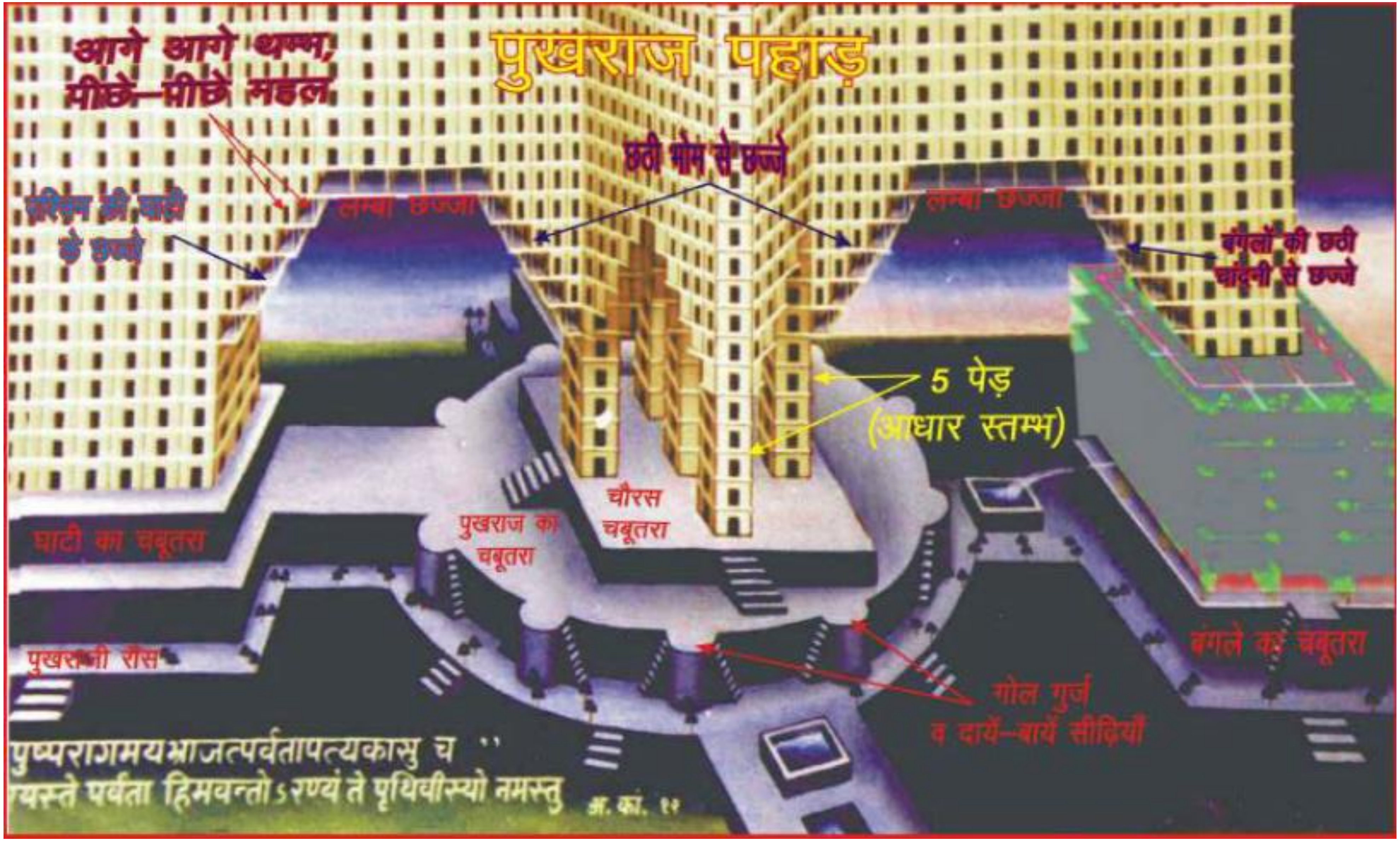

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे & मेहराव की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

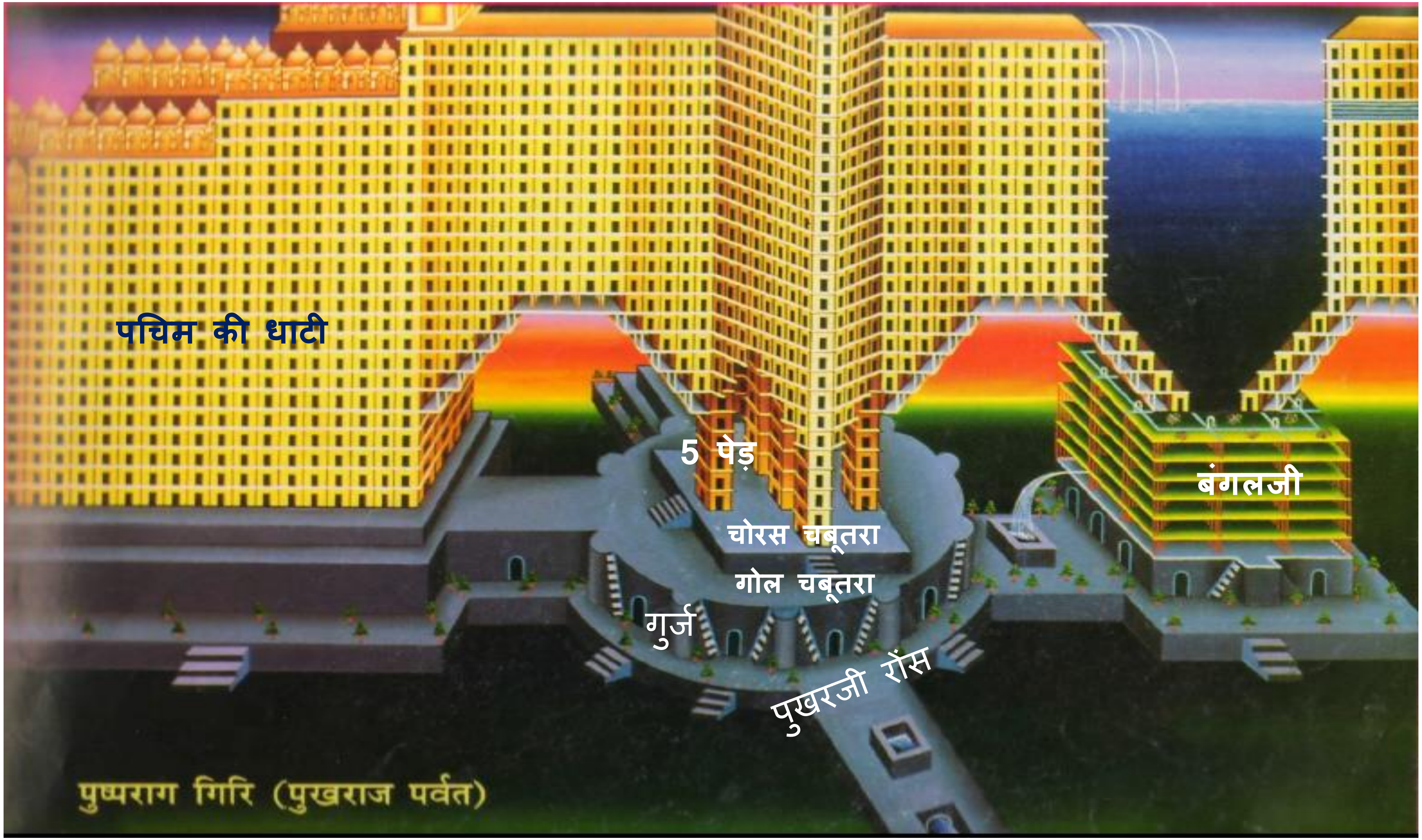

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के पाट की शोभा

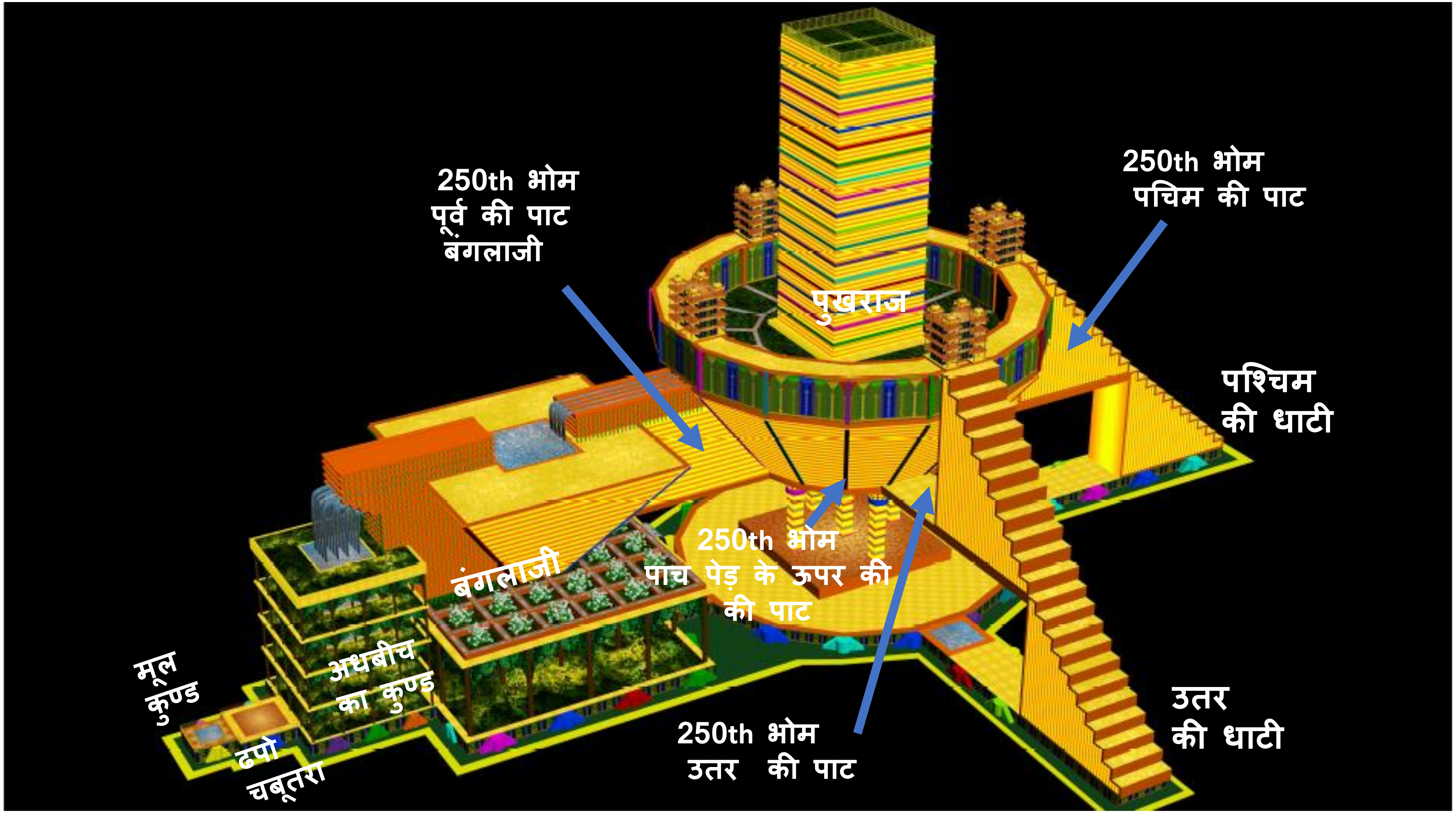

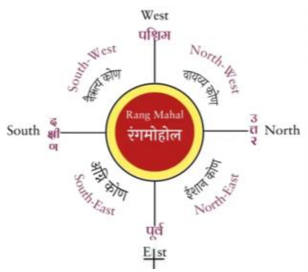

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के छज्जे की शोभा

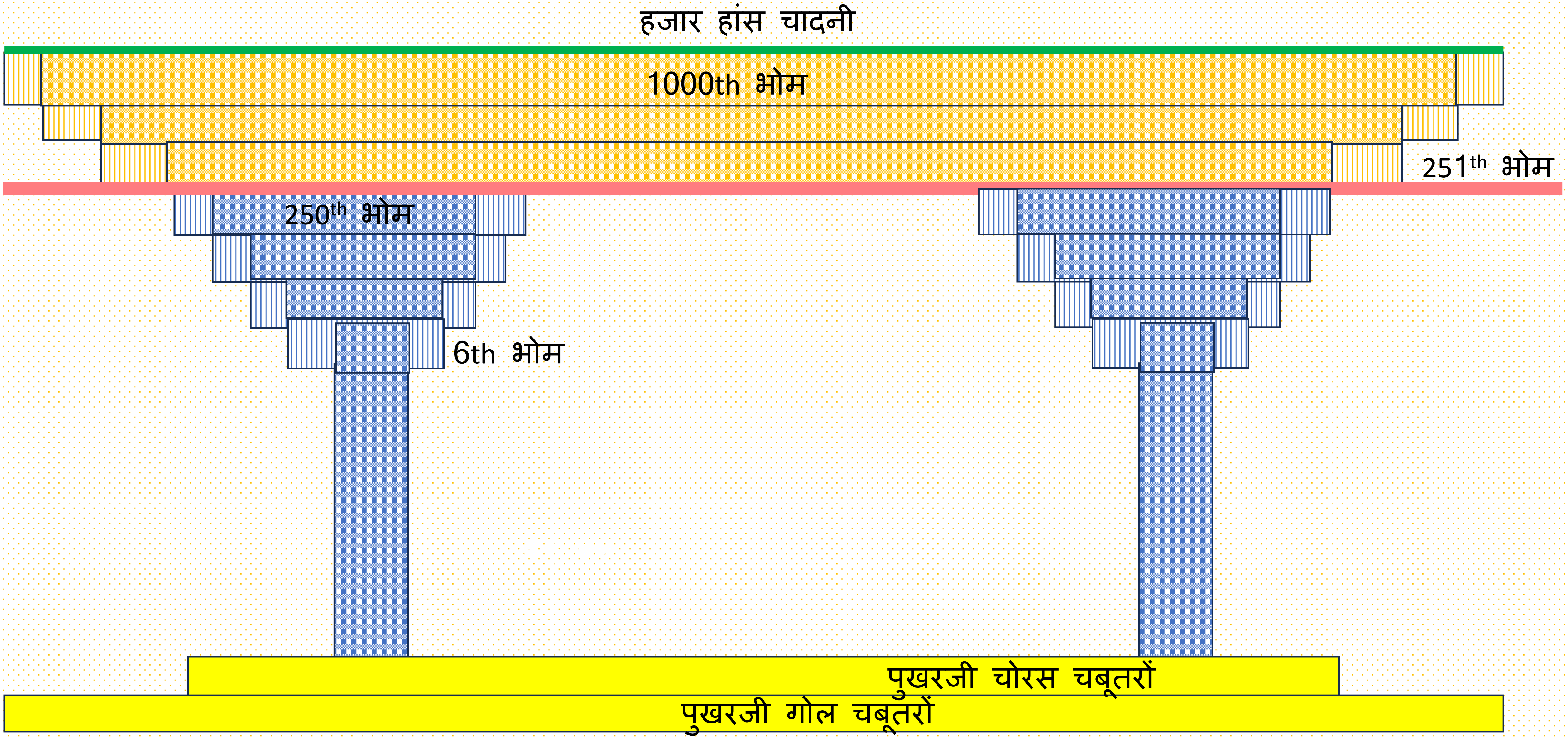

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे , 250th भोम की पाट & 14 महेराव की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

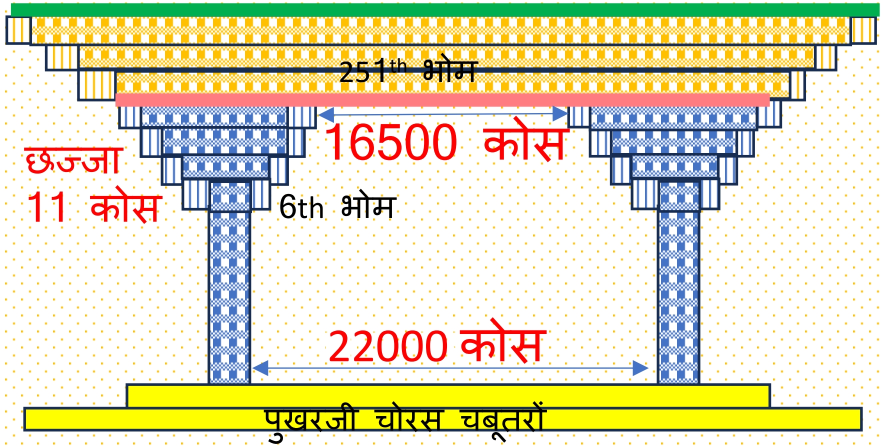

दिशा के पेड़ से मध्य के पेड़ – 4 महेराव

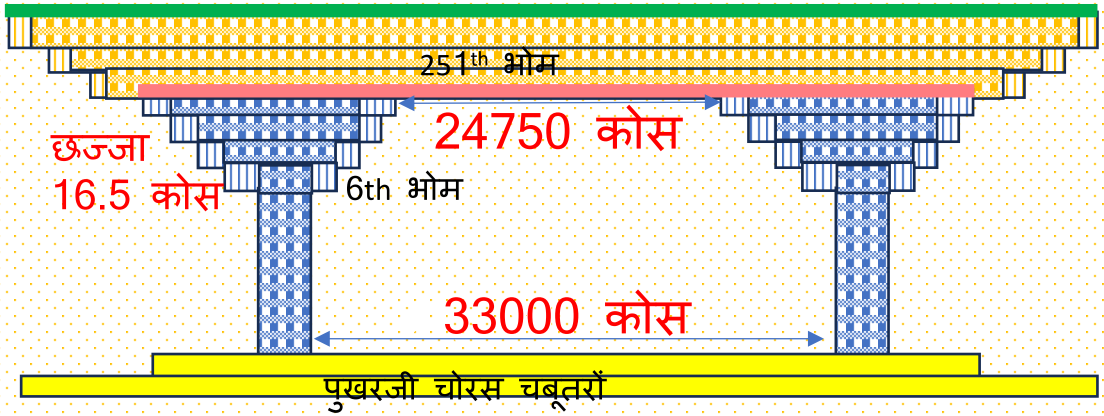

दिशा के पेड़ से दिशा के पेड़ – 4 महेराव

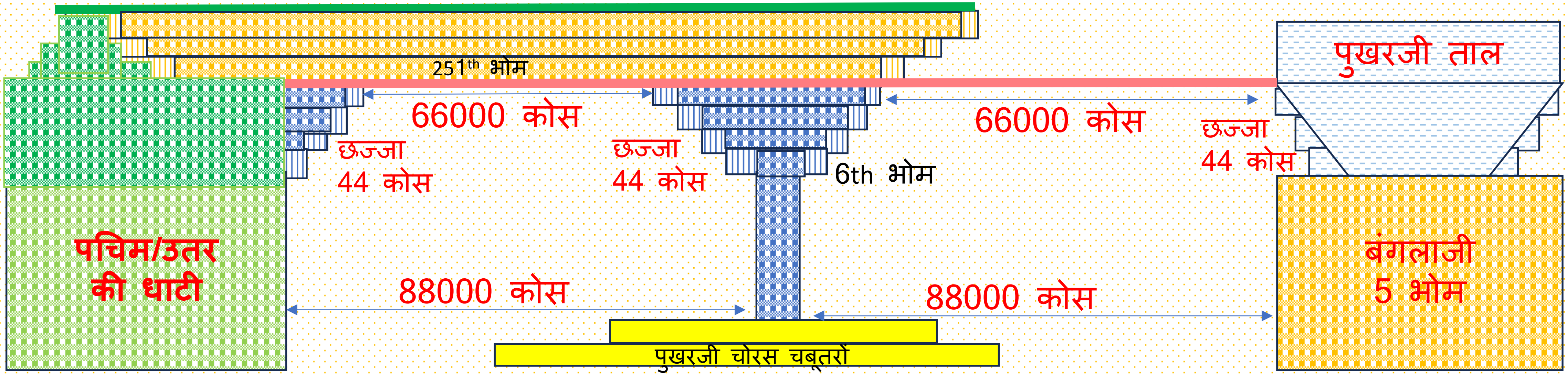

दिशा के पेड़ से पचिम/उतर की धाटी– 4 महेराव

दिशा के पेड़ से बँगलाजी के पुखरजी ताल (पूर्व)– 2 महेराव

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के दक्षिण दिशा के 6th भोम के छज्जे, 250th भोम की पाट & दक्षिण से रंगमहाल की शोभा

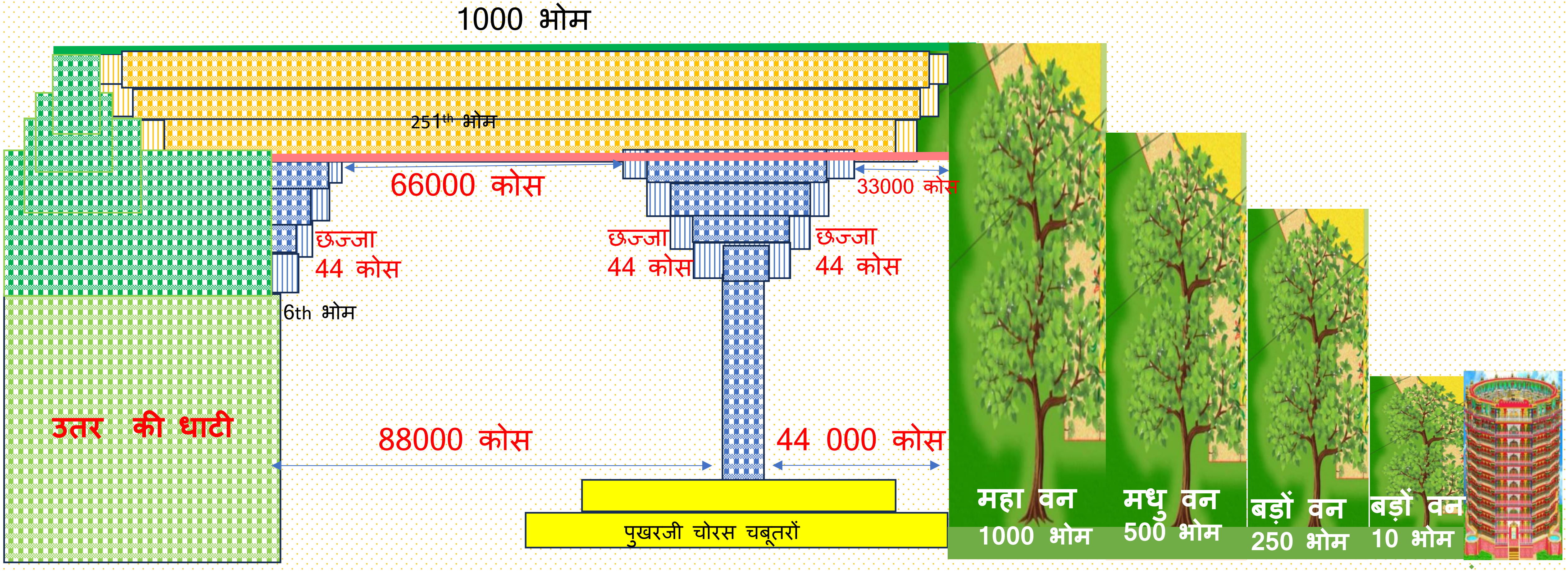

रंगमहाल

उतर की धाटी

दिशा के पेड़ से माहवन – दक्षिण दिशा
दक्षिण दिशा की नहेर

ज्यों भोमें छज्जे बढ़ चलीं , इन पहाड़ पुखराज ।
त्यों दरखते छातें बढ़ चलीं, मुकाबिल चाँदनी काज ।।
डारी पर पेड़ दरखत, यूं बढ़ता चल्या सबन।
है ना इनकी गिनती, झलकत नूर रोशन ।।

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे & मेहराव की शोभा (पूर्व & पचिम)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

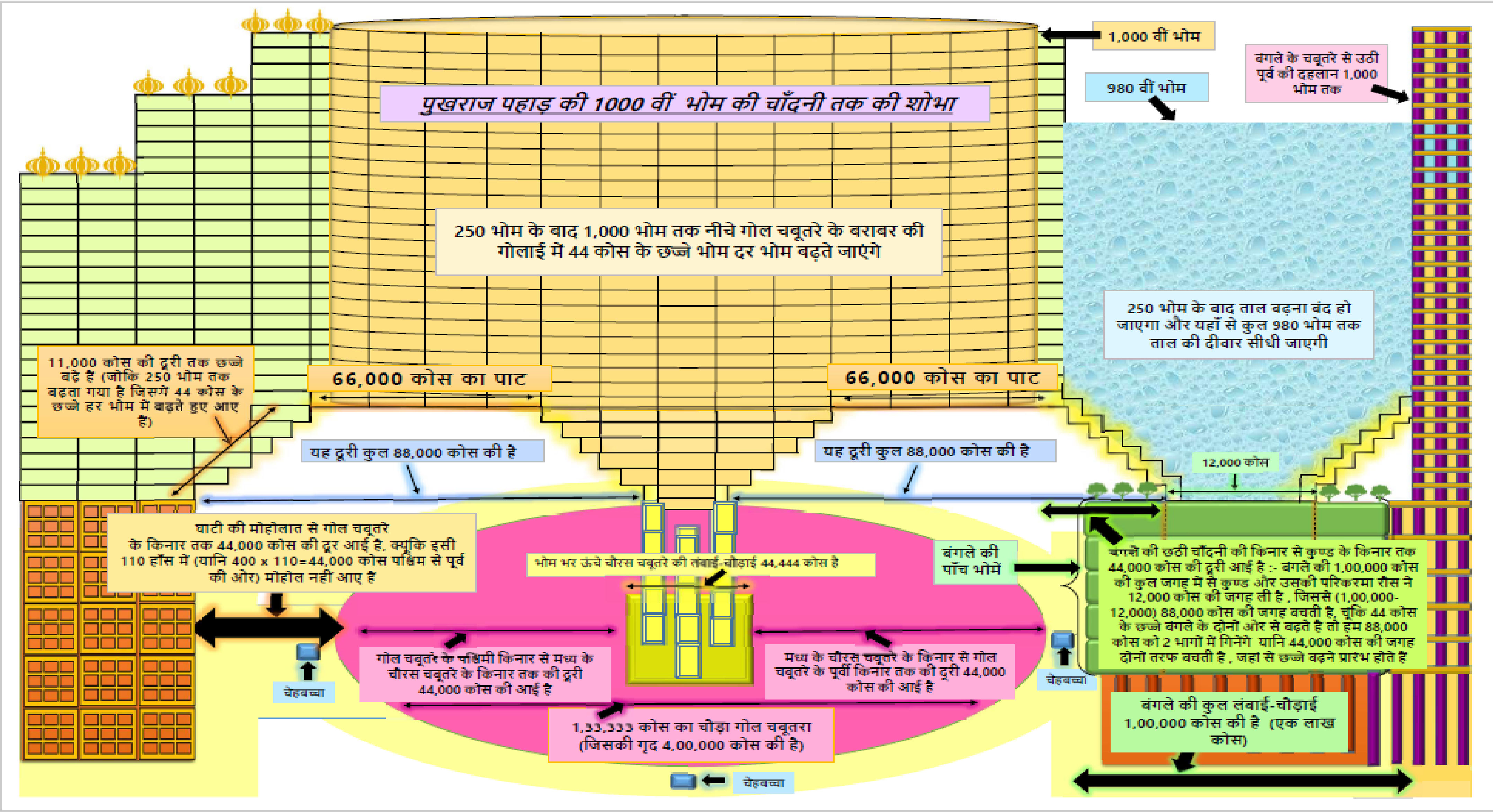

पुखराज पहाड़ के चबूतरे के 6th भोम के छज्जे & मेहराव की शोभा (उतर & दक्षिण)

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

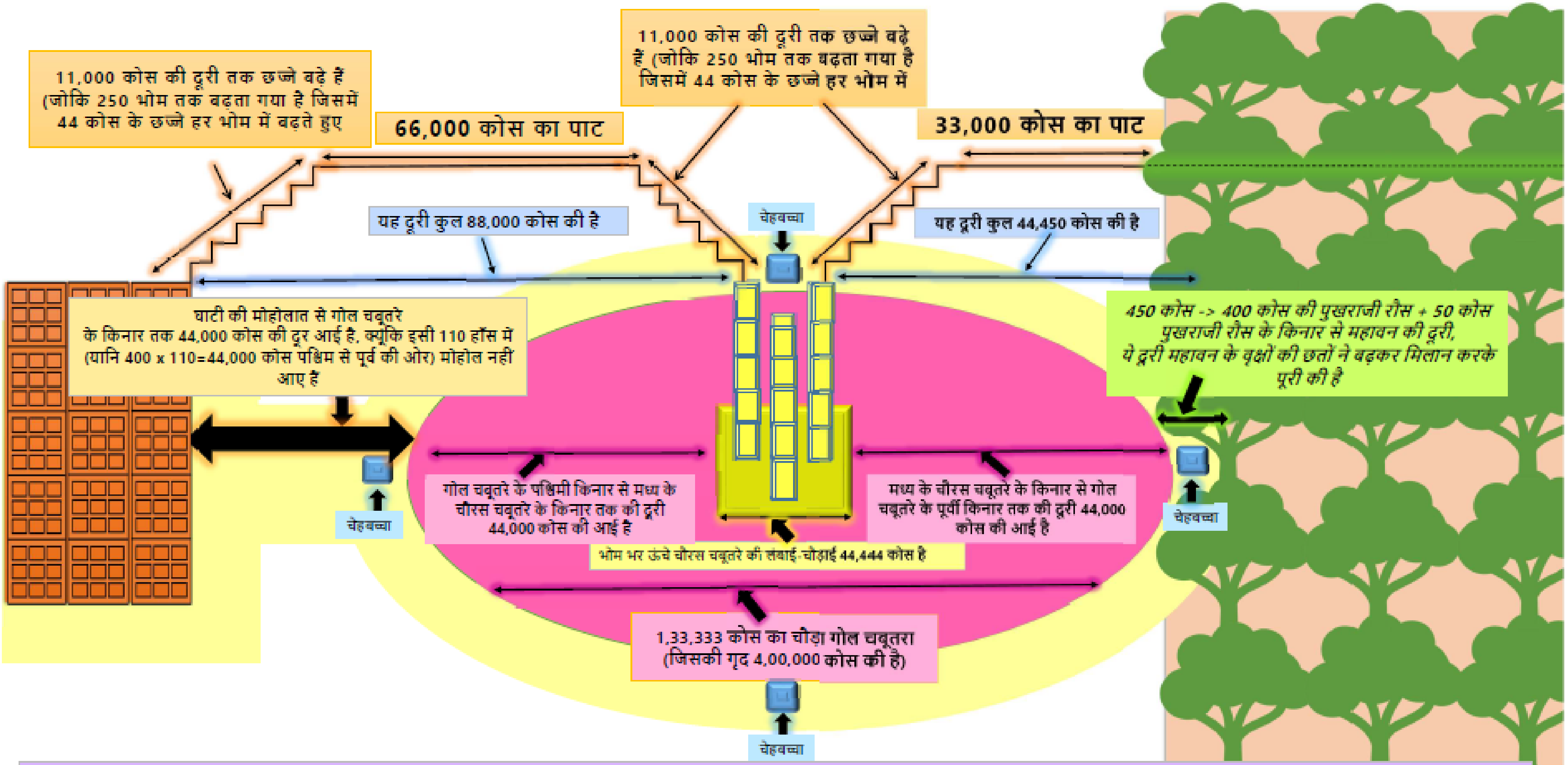

पुखराज पहाड़ के उत्तर की घाटी, पाँच पेड़ों और महावन की हारों की पाँच भोंमों के बाद 250 भोम तक बढ़ने वाले छज्जों के मिलान की शोभा

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी की शोभा

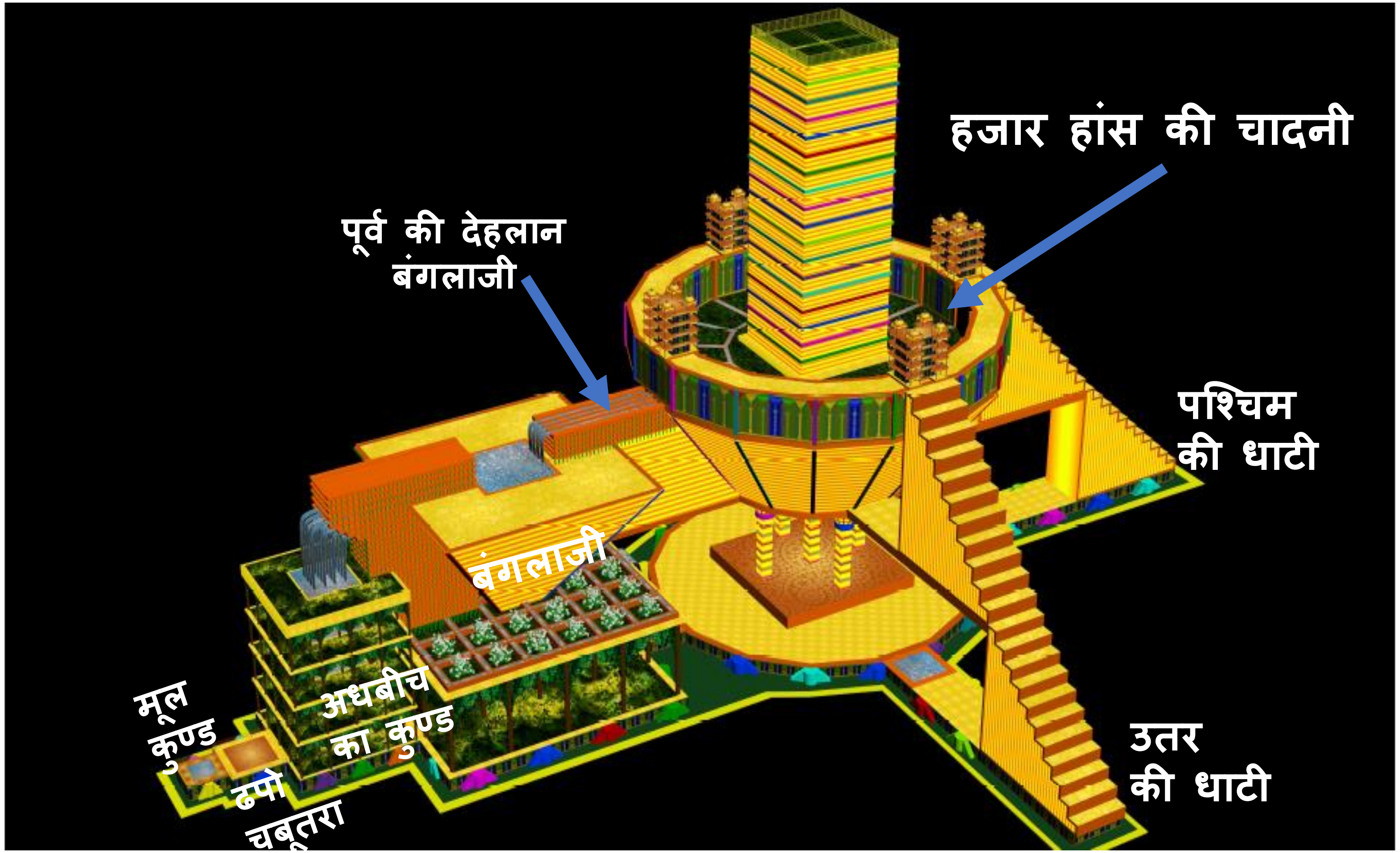

हजार हांस की चादनी

1001 भोम - 1000 हांस

1 लाख 33 हजार कोस लम्बी चौड़ी

- **छज्जे**
- **चबूतरा**
  - रोंस
- **हवेली / महल**
  - 5 भोम , 6th चादनी
  - एक हांस में 4 हवेली की 4 हार
  - मंदिर
  - चादनी – दीवाल , सीडियाँ, देहूरी
- **गोल गुर्ज**
- **दिशा के बड़े दरवाजे**
  - 10 भोम , 11 चादनी
  - दरवाजे & चबूतरा
  - अष्ट महेरावी चबूतरा
  - महल – 5 भोम, 6th चादनी
  - दिशा के दरवाजे की चदानी
- **बगीचे, नहेरे, चहबच्चे , फुवारे**
- **पूर्व की देहलान**
- **आकाशी महल**

हजार हांस जो चबूतरे, त्यूं हीं हजार हांस उपली छात ।
थम्भ चार तले से लगे तिन को, फेर कहूं ताकी बात ।।८।।

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल की छठी चादनी & दिशा के दरवाजे कि 6th भोम से 10th भोम की शोभा

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

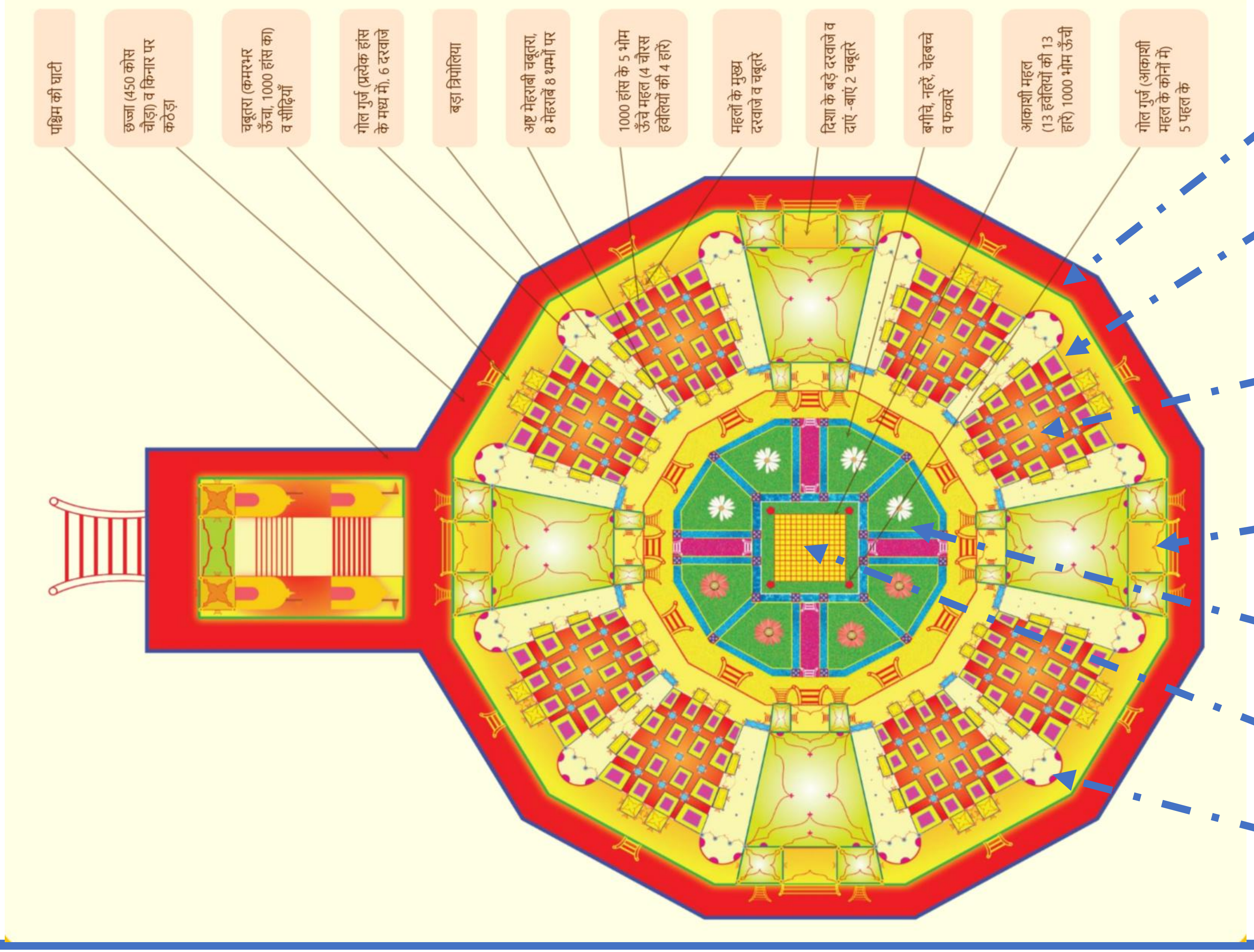

- छत – 400 कोस (जमनी पर की पुखराज की रोंस पर - 1000 भोम ऊपर)
- कमर भर ऊँचा चबूतरा - 400 कोस चोडी
- हजार हांस के महल – 400 कोस चोडी, 16 महल पर हांस
- 4 बड़े दरवाजे
- बग़ीचे
- आकाशी महल – 44000 कोस
- गोल बुर्ज - 1000

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी के महल की 1 हांस की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

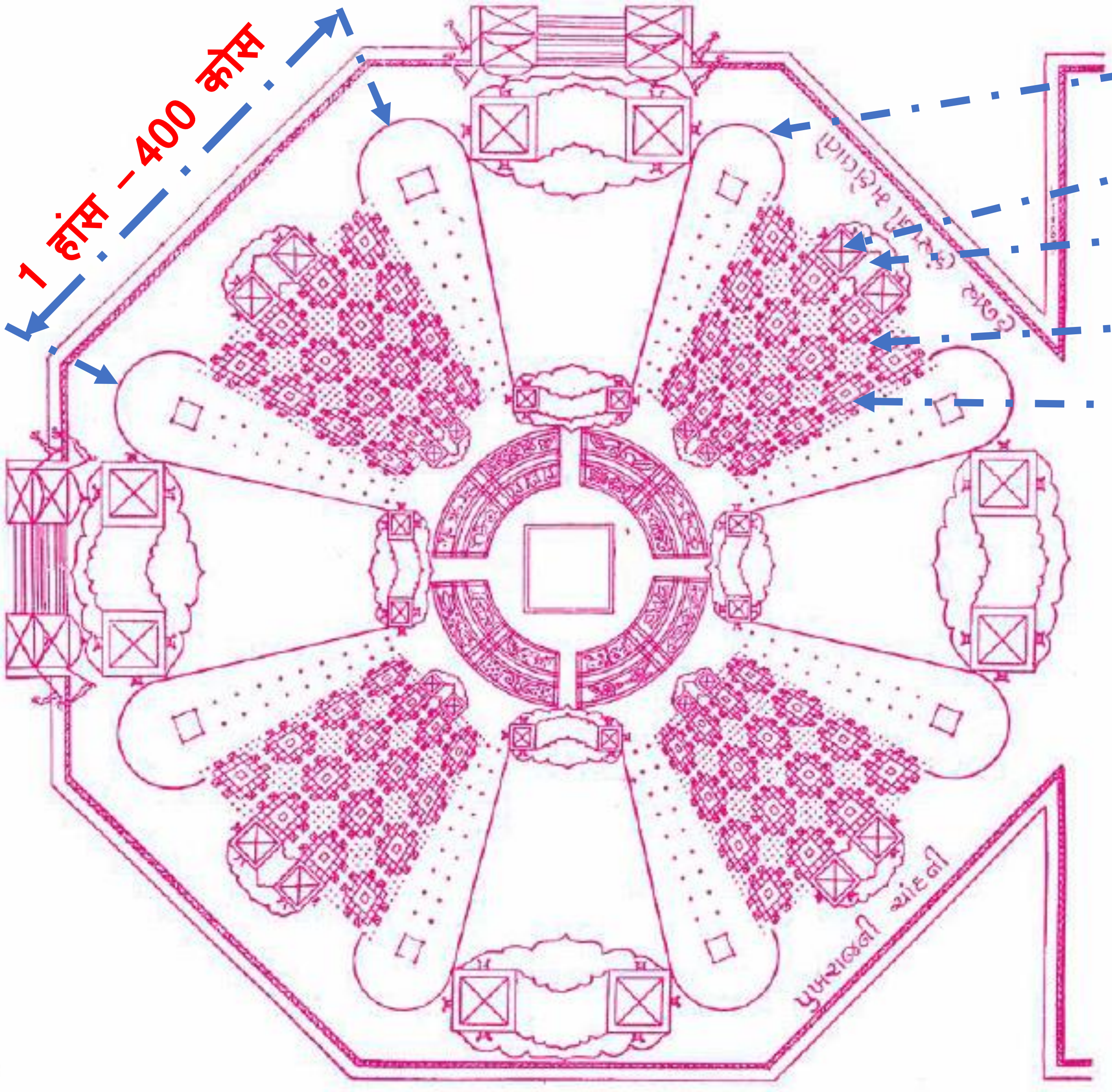

100 कोस का गोल गुर्ज – 50 कोस each side of हांस

50 कोस का चबूतरा - हांस के मुख्य चबूतरा

50 कोस का दरवाजा – हांस के मुख्य दरवाजे

25 कोस की त्रिपोलिया

50 कोस की हवेलिया - 16 (4 हवेलियों की 4 हारें)

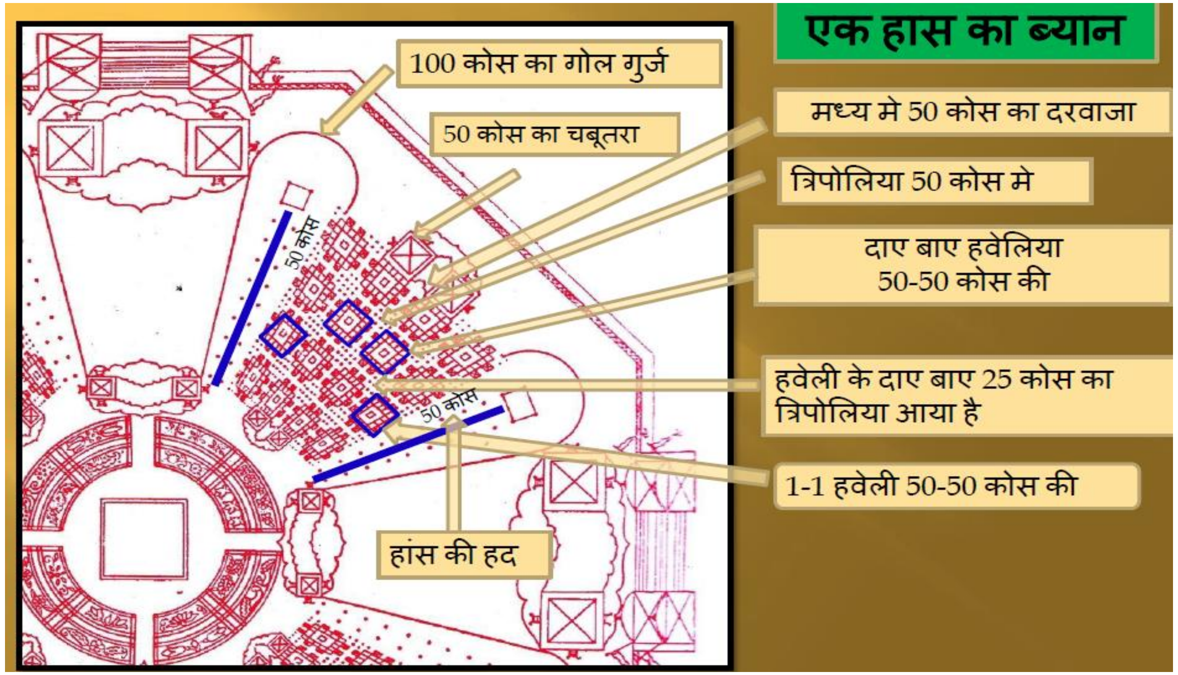

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी के महल & बड़े दरवाजे की शोभा

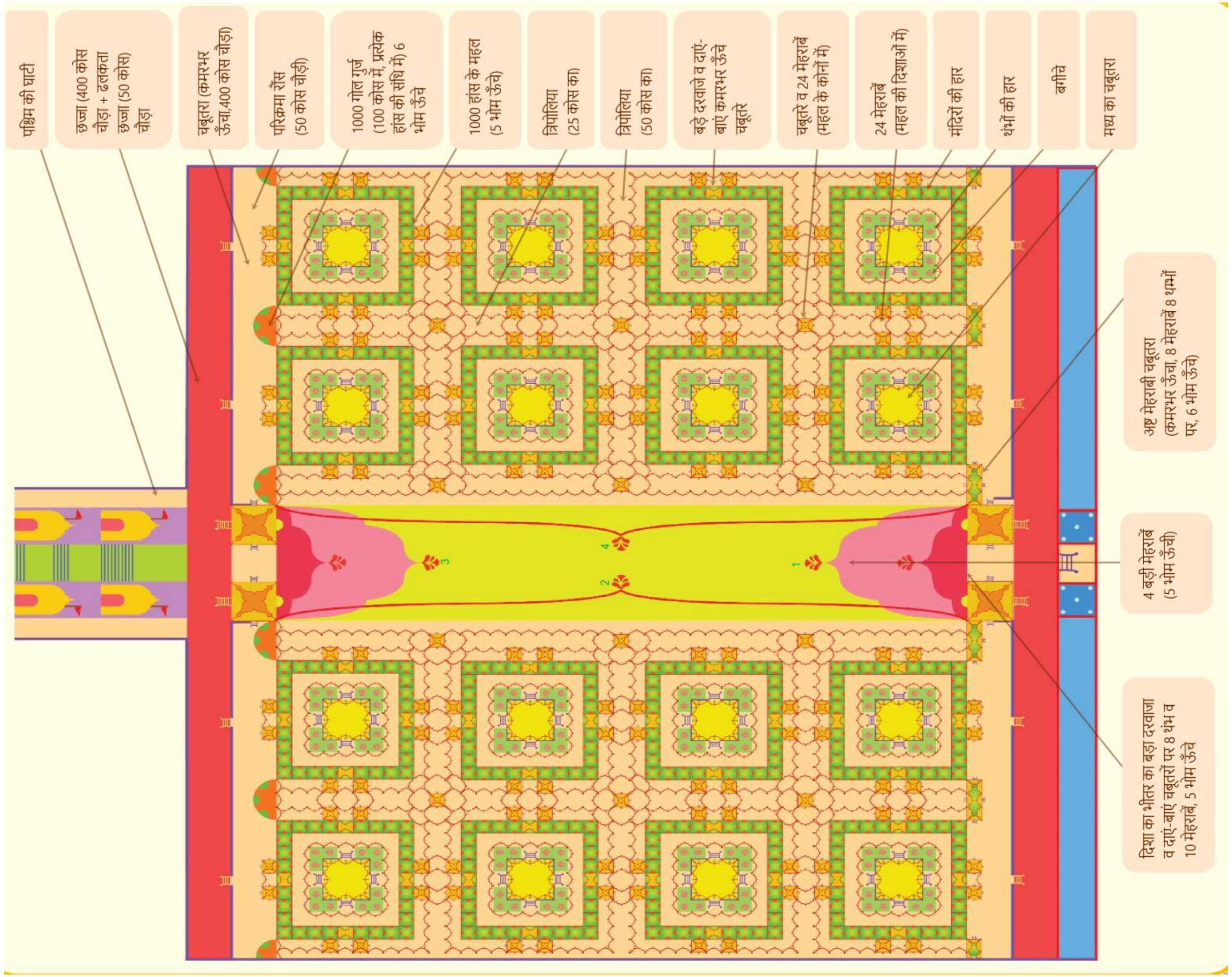

मोहोल चारों तरफों, हजार हांसों माहें ।
ए मोहोल पहाड़ जवेर के, क्यों केहेसी जुबांए ॥३७॥
बराबर दोरीबंध ज्यों, फिरती पहाड़ किनार ।
सो इन मुख सोभा क्यों कहूं, झलकारों झलकार ॥३८॥

दोऊ सीढ़ियों के सिरे पर, दोए दरवाजे बुजरक ।
दोऊ तरफों दो दिवालें, सो भी वाही माफक ॥५२॥
दोए द्वार इत और हैं, इन चांदनी चार द्वार ।
सो चारों तरफों जगमगे, सोभा अलेखे अपार ॥५३॥

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी के महल की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

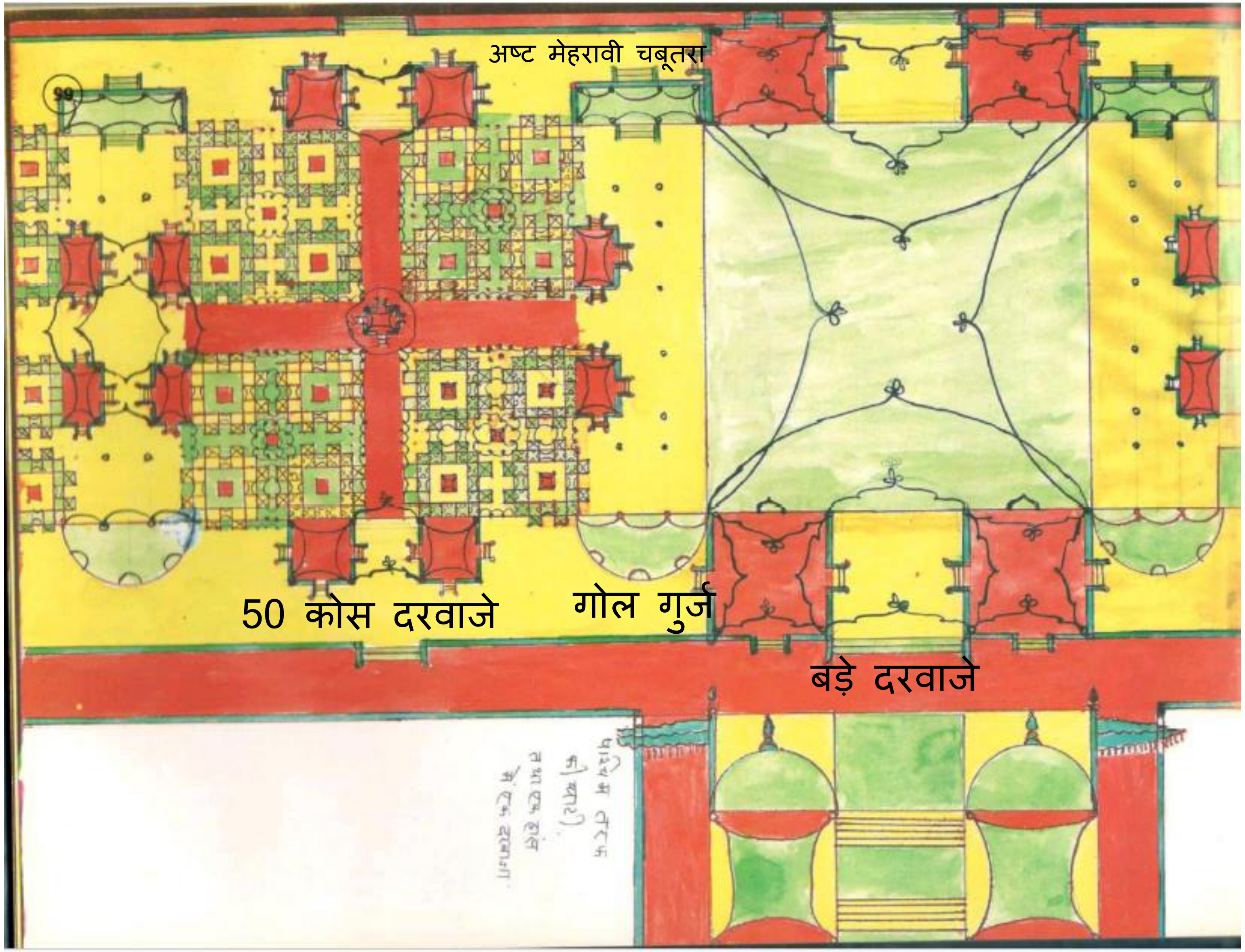

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी के महल की मेहराव की शोभा

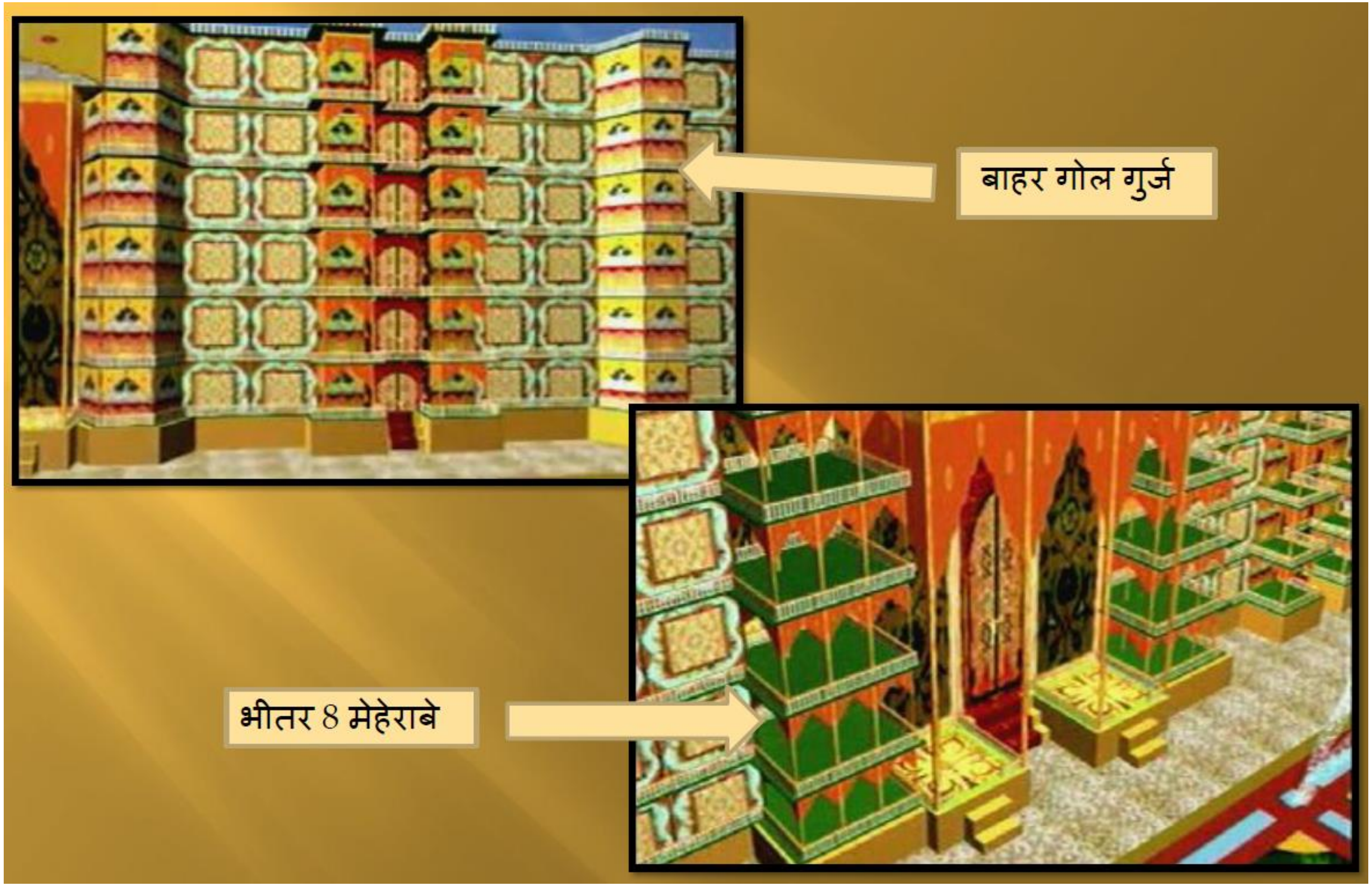

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी – चौरस हवेली 50 कोस लंबी चोडी

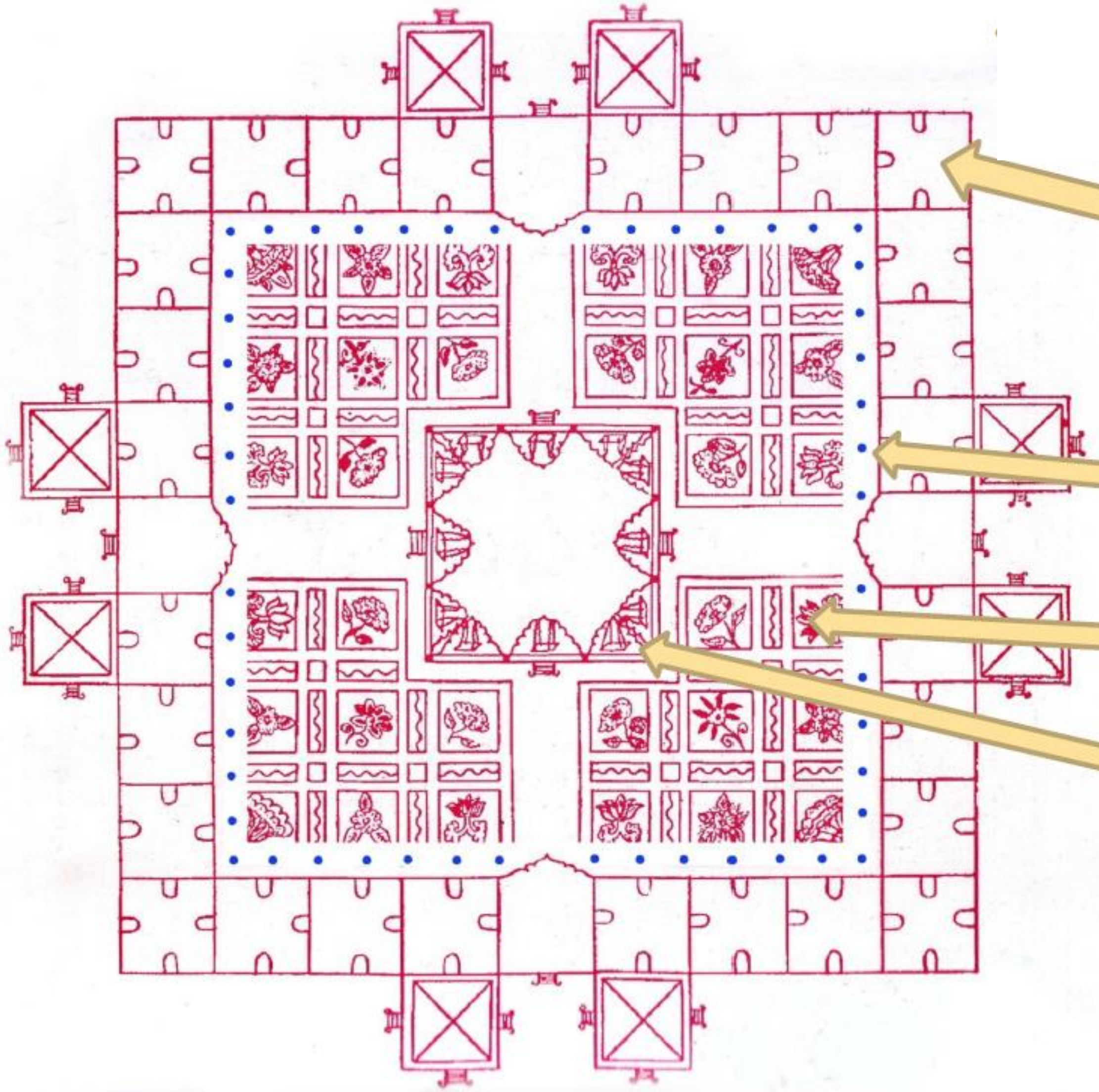

हवेली के एक तरफ 50 मोहोल, चारो तरफ 200 मोहोल

थंभन की एक हार

बाग बगीचा, नहरे, चेहबच्चे, फुहारे

चबूतरा, थंभ, मेहेराब हिंडोला, कठेडा, सीढ़िया गिलम, सिंहासन, कुर्सिया

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की चादनी –चौरस हवेली

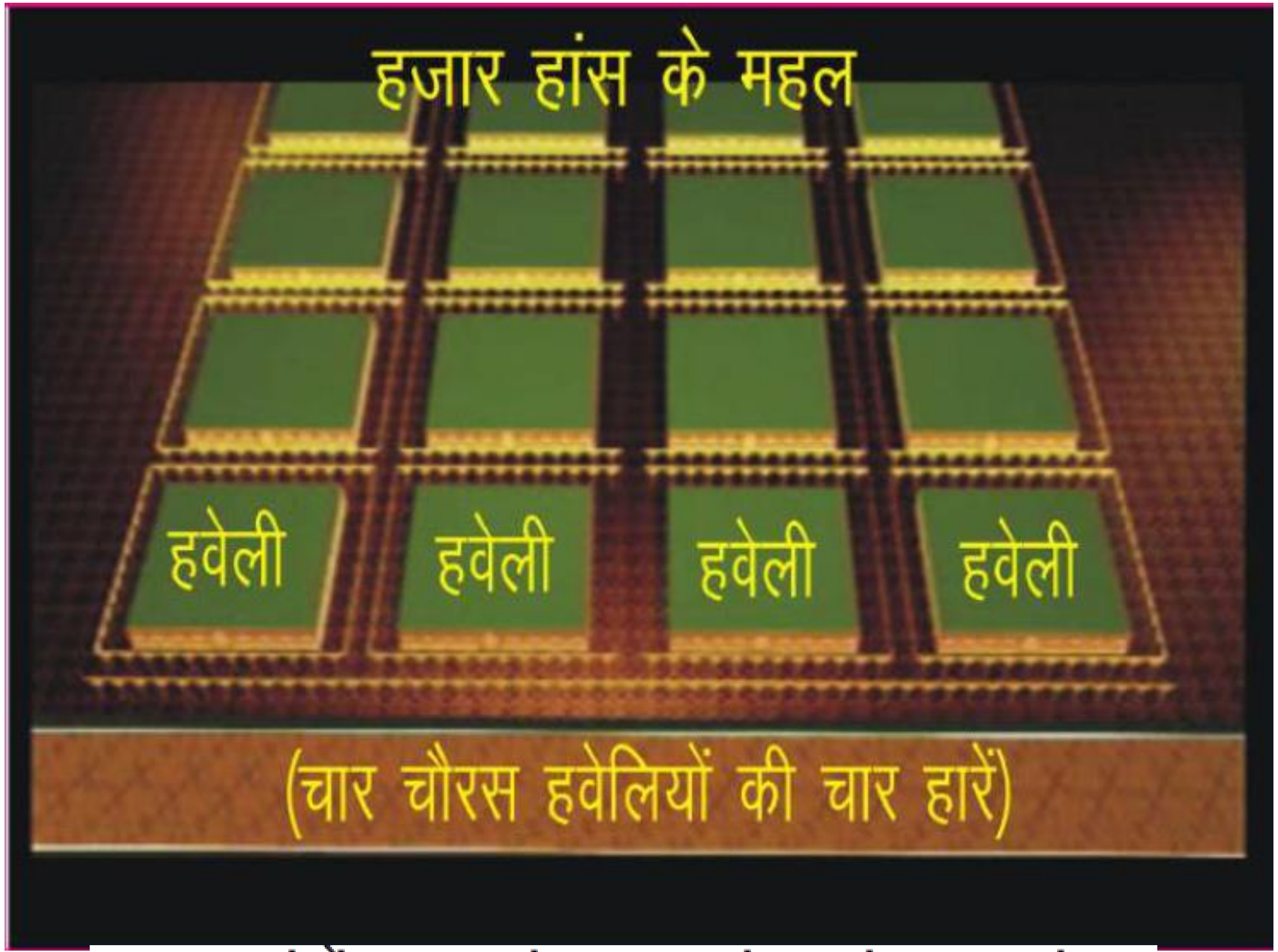

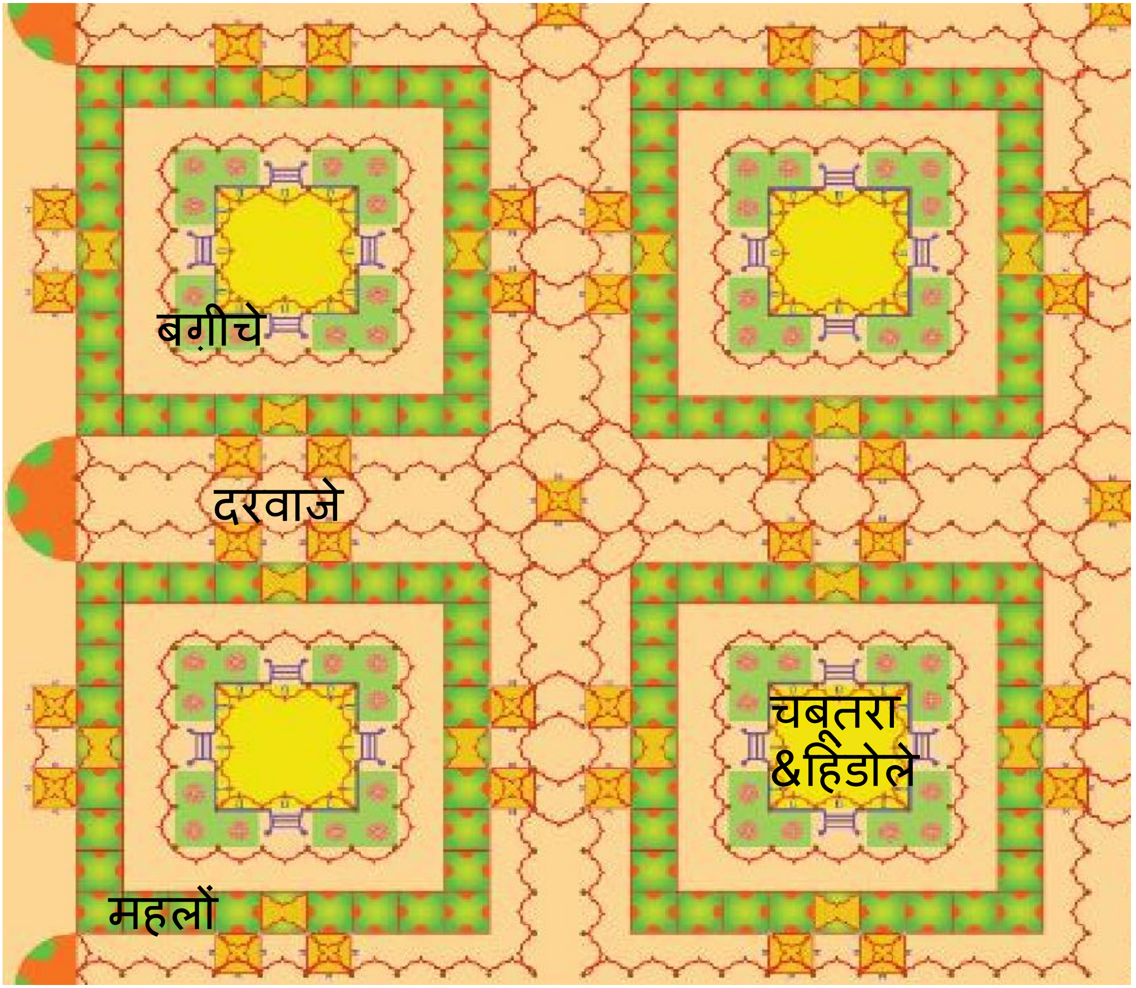

हजार हांसों हजार रंग , हर हांस हांस नया रंग ।
थंभ रोसन जिमी लग चाँदनी, करत मिनो मिने जंग।।

एक हवेली के चार दिशा में 4 दरवाजे,दायें बायें 4–4 मोहोल और दरवाजे के दायें बायें दो
चबूतरों की शोभा है। अन्दर एक थंभों की हार को पार करके कमरभर नीचे बगीचे
और फिर आगे कमरभर ऊपर चढ़कर मध्य में एक चौरस चबूतरे के किनार पर थंभों के
बीच झूले और चबूतरे पर गिलम सिंहासन सब आये हैं।

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल के दिशा के बड़े दरवाजे के बहारी शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

1 भोम उची दीवार
6th चादनी में

5th भोम
हवेलियाँ

1st भोम
हवेलियाँ

कमर भर चबूतरा

दोऊ सीढ़ियों के सिरे पर, दोए दरवाजे बुजरक ।
दोऊ तरफों दो दिवालें, सो भी वाही माफक ॥५२॥
दोए द्वार इत और हैं, इन चांदनी चार द्वार ।
सो चारों तरफों जगमगे, सोभा अलेखे अपार ॥५३॥

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल के दिशा के बड़े दरवाजे के भीतर की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

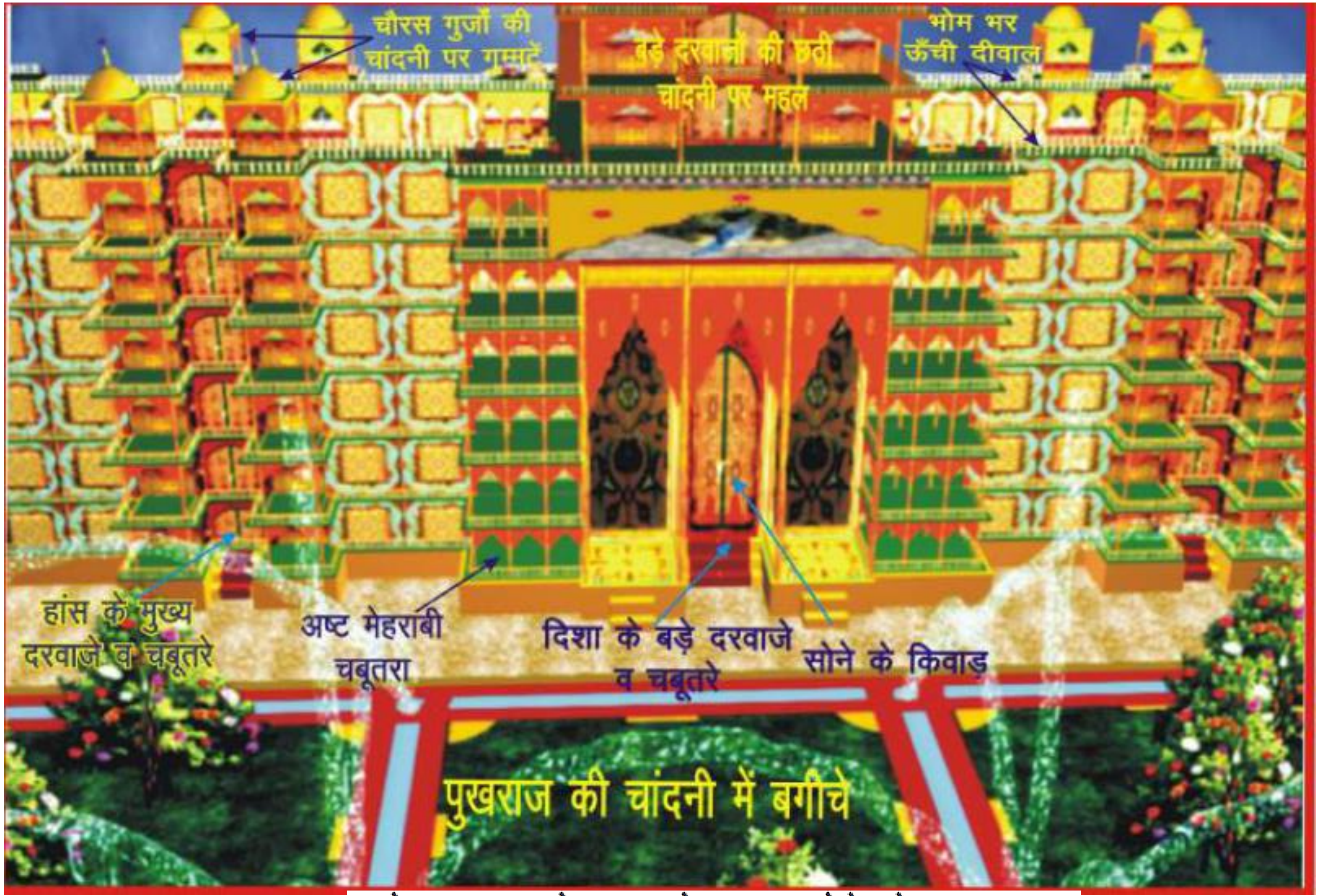

बड़े द्वार बड़े चबूतरे , इत सोने के कमाड़ ।
जड़ाव चारों द्वारने , एक जवेर मोहोल पहाड़ ।।

चारों दिशा में 4 बड़े दरवाजे आये हैं,जो 300 कोस के चौड़े और 5मोम के ऊँची एक ही मेहराब आई है।
100 कोस में दरवाजा और दरवाजे के बाहर दो चबूतरे 100–100 कोस के कमरभर ऊँचे आये हैं। ऐसे
दो चबूतरे भीतरी तरफ भी दरवाजे के साथ ही आये हैं। चबूतरों के साथ गुर्जों की भी शोभा आई है।

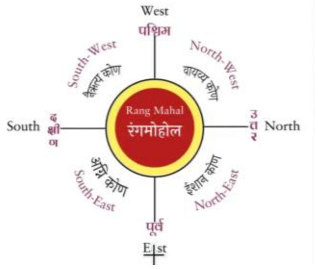

West
पश्चिम
North-West
North
South
South-West
South-East
North-East
Rang Mahal
रंगमोहोल
पूर्व
East

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल के दिशा के बड़े दरवाजे की शोभा

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल की छठी चादनी & दिशा के दरवाजे कि 6th भोम से 10th भोम की शोभा

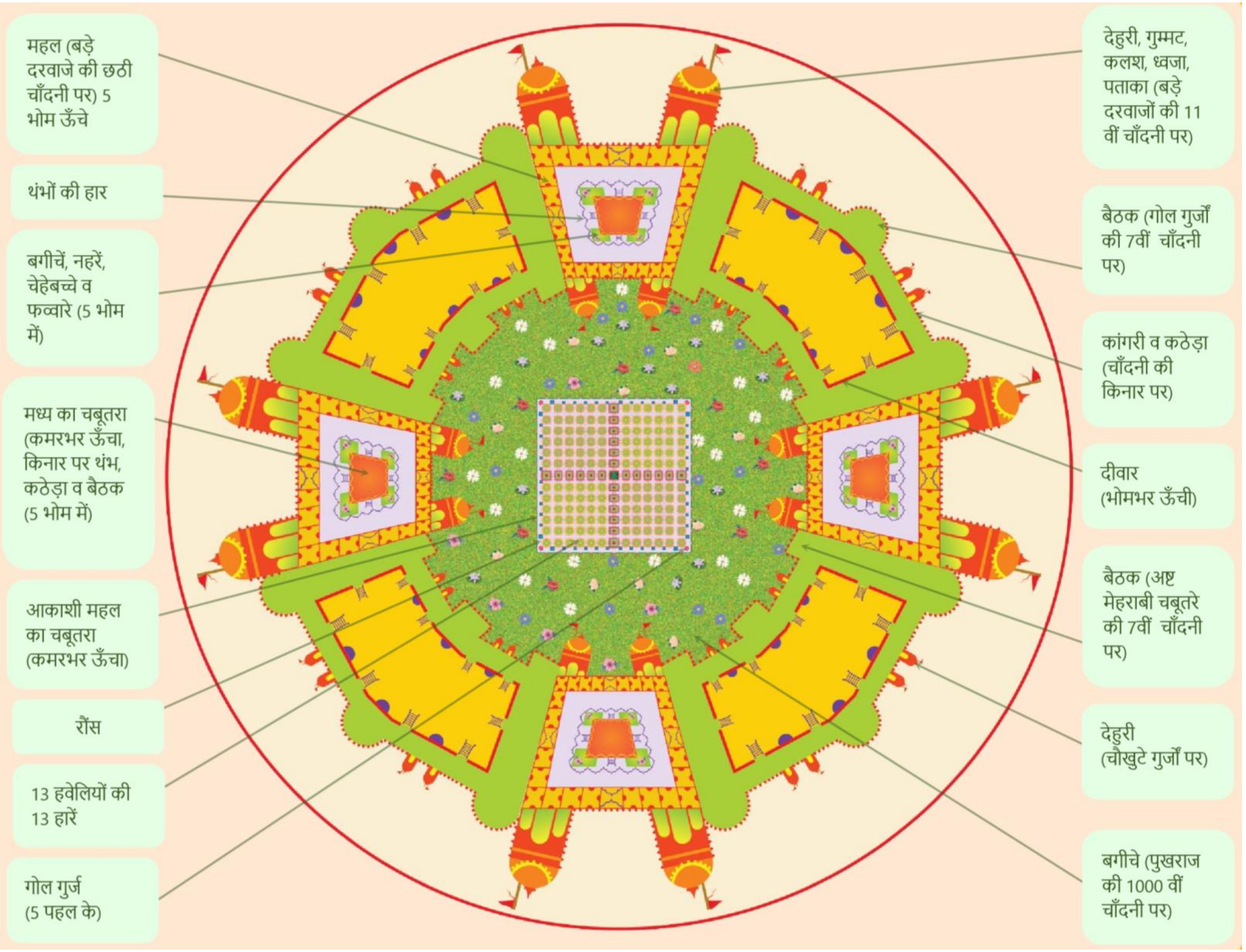

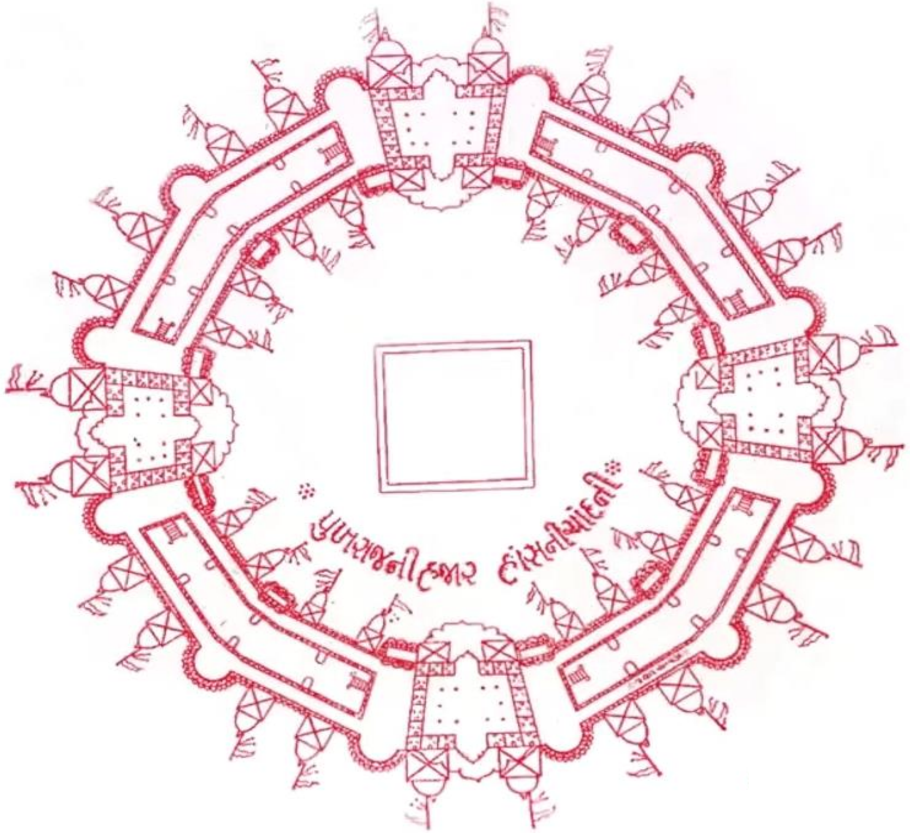

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल की छठी चादनी & दिशा के दरवाजे कि 6th भोम से 10th भोम की शोभा

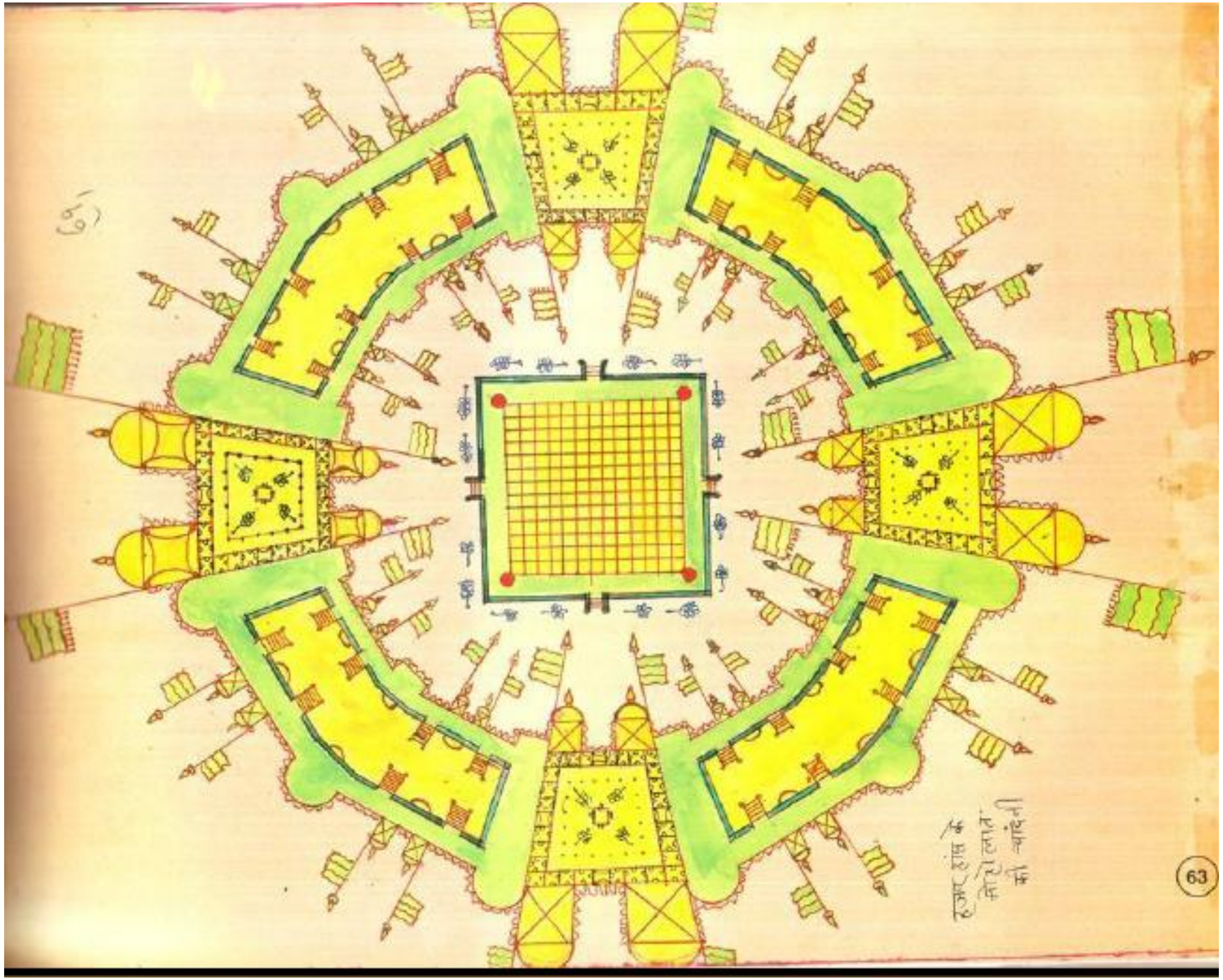

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल की छठी चादनी की शोभा

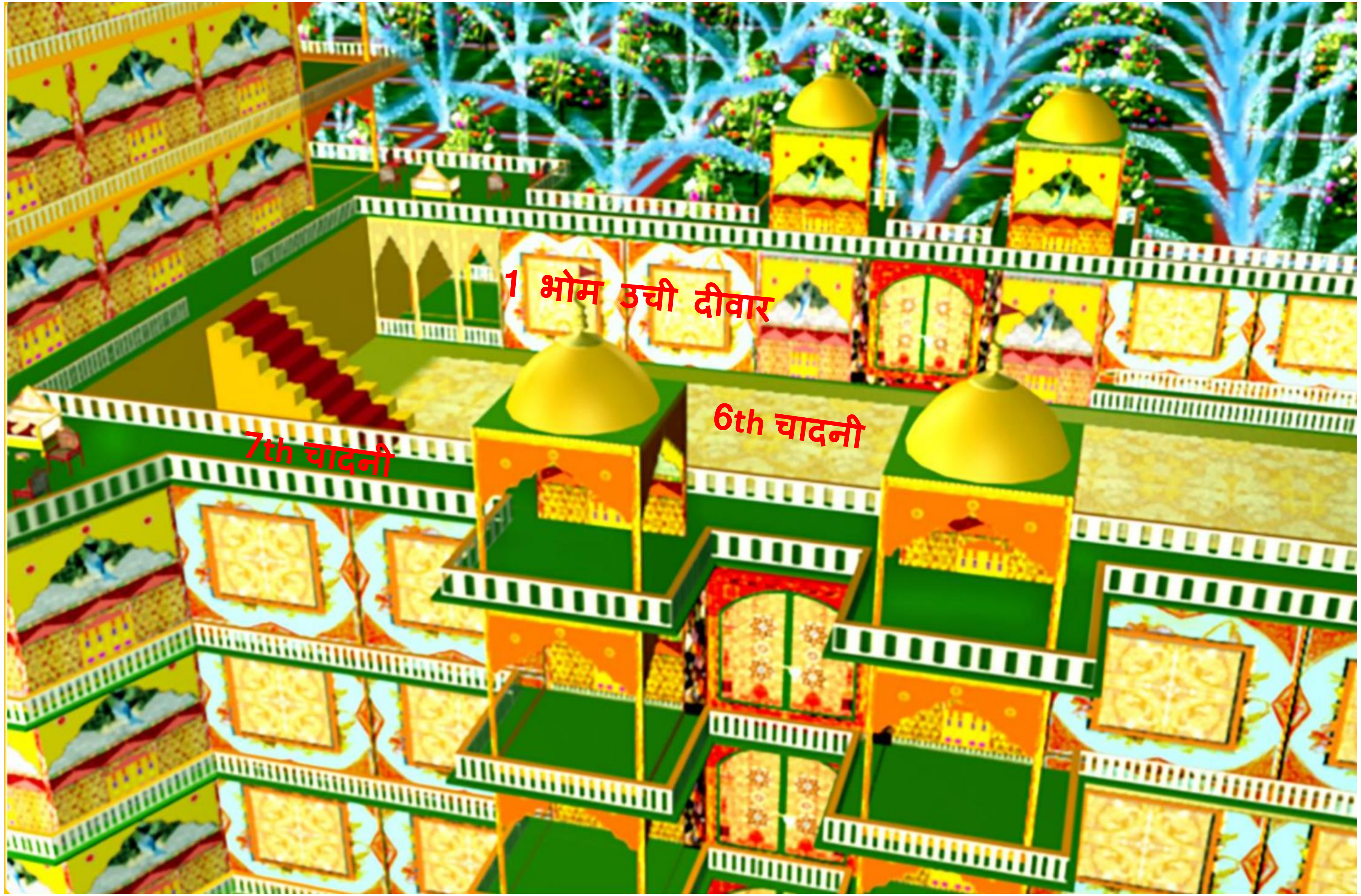

पुखराज पहाड़ की हजार हांस के महल की छठी चादनी की शोभा

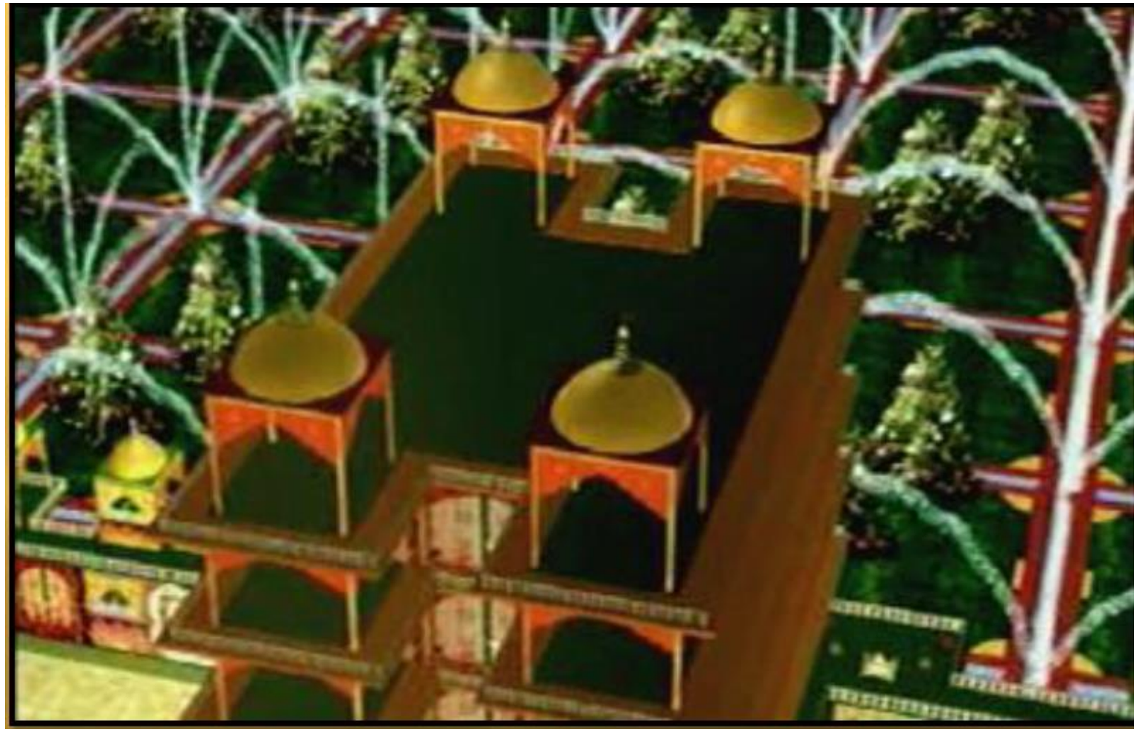

बड़े दरवाजे की चादनी

पुखराज पहाड़ की हजार हांस की शोभा

आकाशी महल
44000 कोस लम्बा चौड़ा

- **हवेलयों**
  - 13 हवेलियों की 13 हारें
  - मध्य की बड़ी हवेलियाँ
    - 3600 कोस लंबी चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, स्तून , थंभ, हिंडोले
    - स्तून
  - दिशा की बड़ी हवेलि
    - 3600 कोस लंबी 2800 कोस चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, थंभ, हिंडोले
  - अन्य बड़ी हवेलियां
    - 2800 कोस लंबी 2800 कोस चौडी
    - दरवाजे & चबूतरा
    - महल, बगीचा, चबूतरा, थंभ, हिंडोले
- **गोल गुर्ज – 4 (कॉर्नर में , पाच पहल\हांस)**
- **त्रिपोलिये के गुर्ज – 48**
- **चोखूटें के गुर्ज – 104** (हवेली के दरवाजे के चबूतरे पर)
- **चादनी**
  - चबूतरा
  - बगीचा , नहेरें
  - देहुरियाँ , बेठक

पुखराज पहाड़ के आकाशी मोहलतों की शोभा

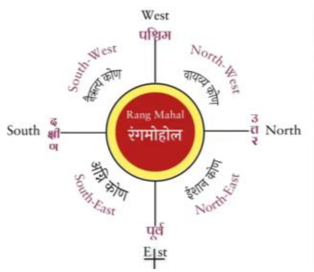

पखराज पहाड के आकाशी महल की 13 हवेलियों की 13 हारें की शोभा

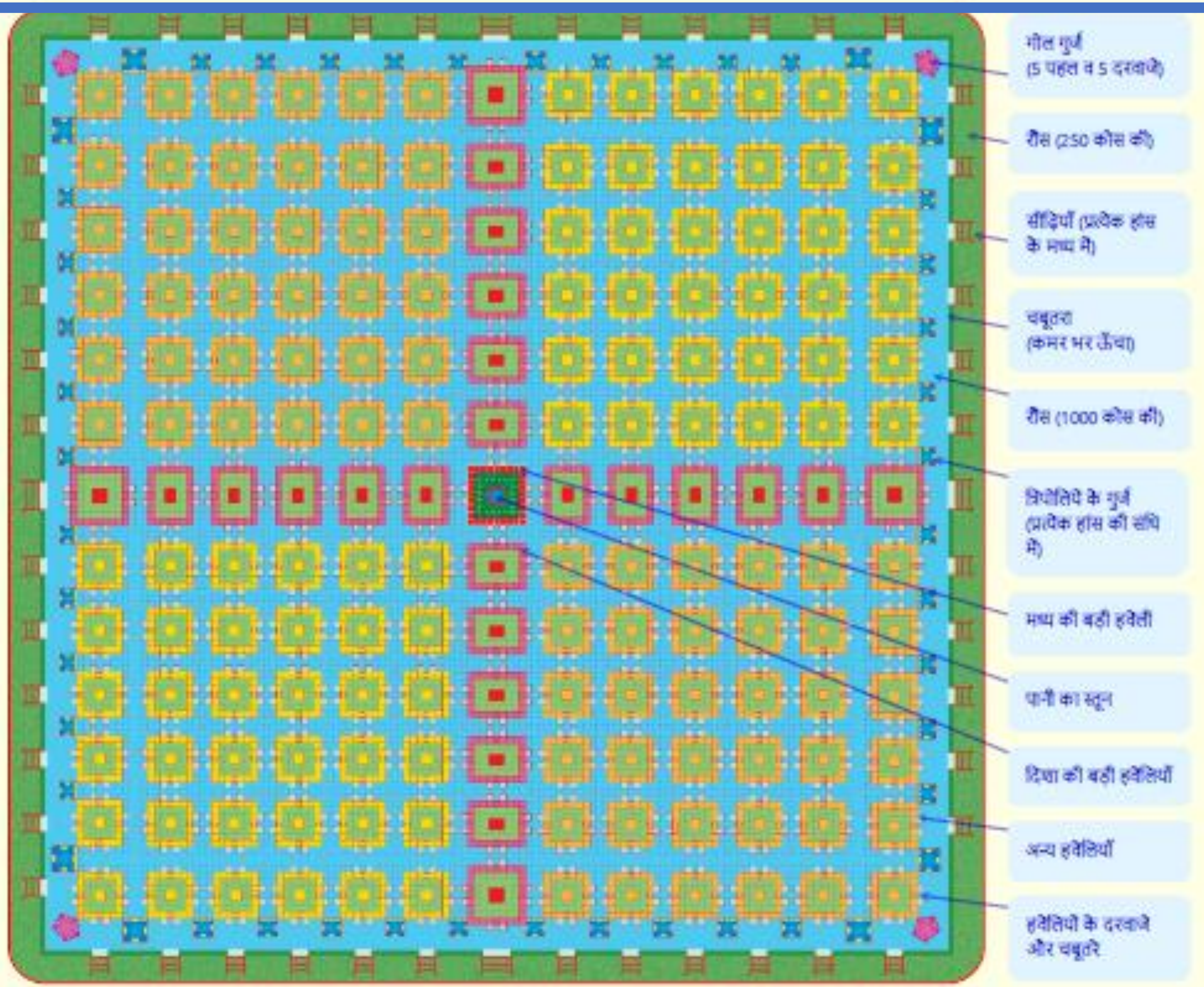

चारों तरफों दरवाजे, आगूं चौखूंटे चबूतर।
थंभ चार हर चबूतरे, मोहोल इन आठों पर ॥६०॥
चारों तरफों द्वारने, और चारों खूंटों गुरज चार।
कहा कहूं अन्दर मोहोल की, जिनको नहीं सुमार ॥६१॥
इनके आठ चबूतरे, तिन आठों पर आठ गुरज।
आकास में जाए जगमगे, करें जंग जोत सूरज ॥६२॥
इन आठों बीच चार द्वार ने, कई सोभा लेत अपार।
कठेड़ा आठों चबूतरे, तरफ चारों चार द्वार ॥६३॥
चार गुरज चार खूंट के, माहें मोहोल फिरते गिरदवाए।
फिरते झरोखे सिरे लगे, आसमान में पोहोंचे आए ॥६४॥

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की 13 हवेलियों की 13 हारें की शोभा

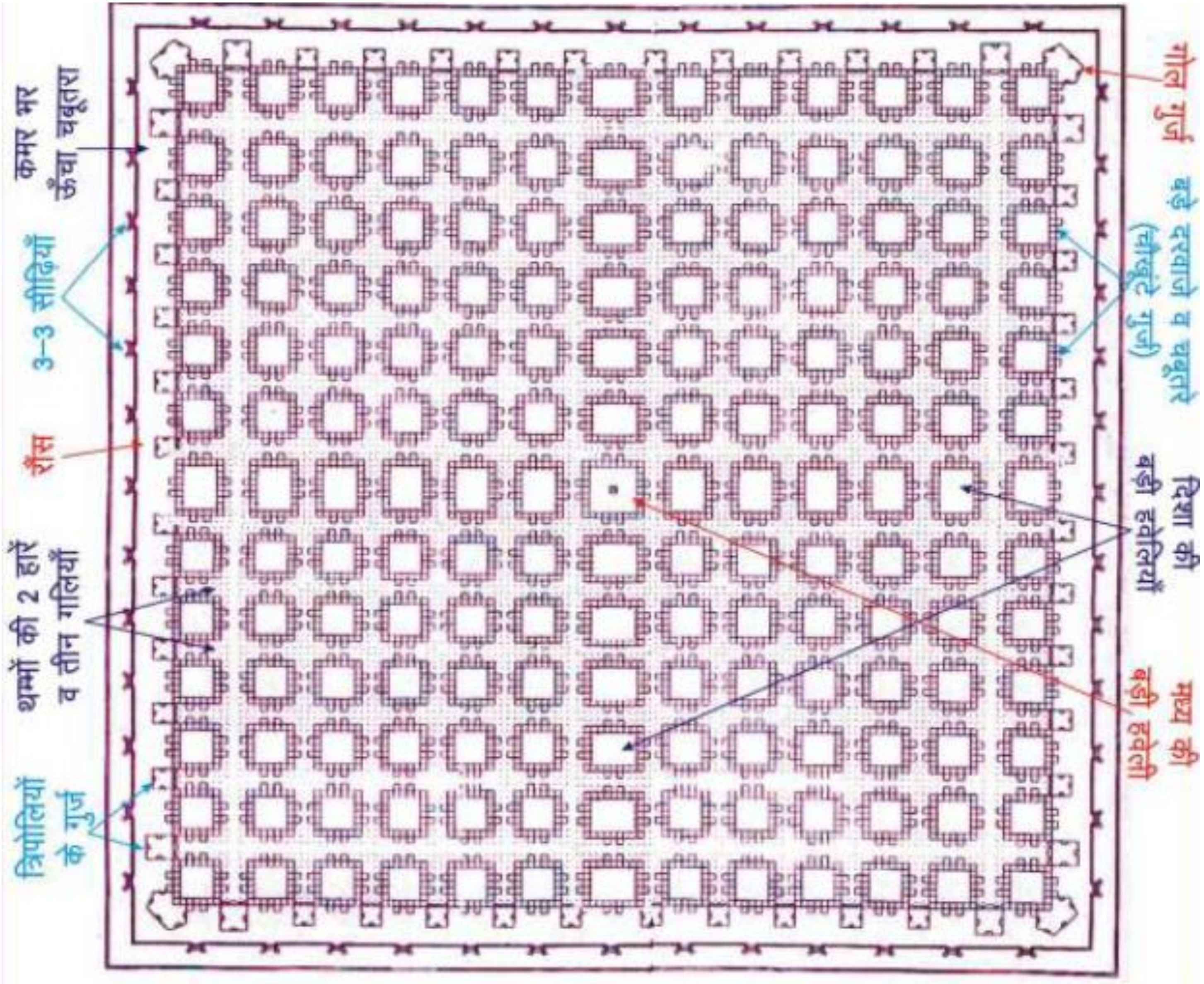

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के मध्य की बड़ी हवेलियाँ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

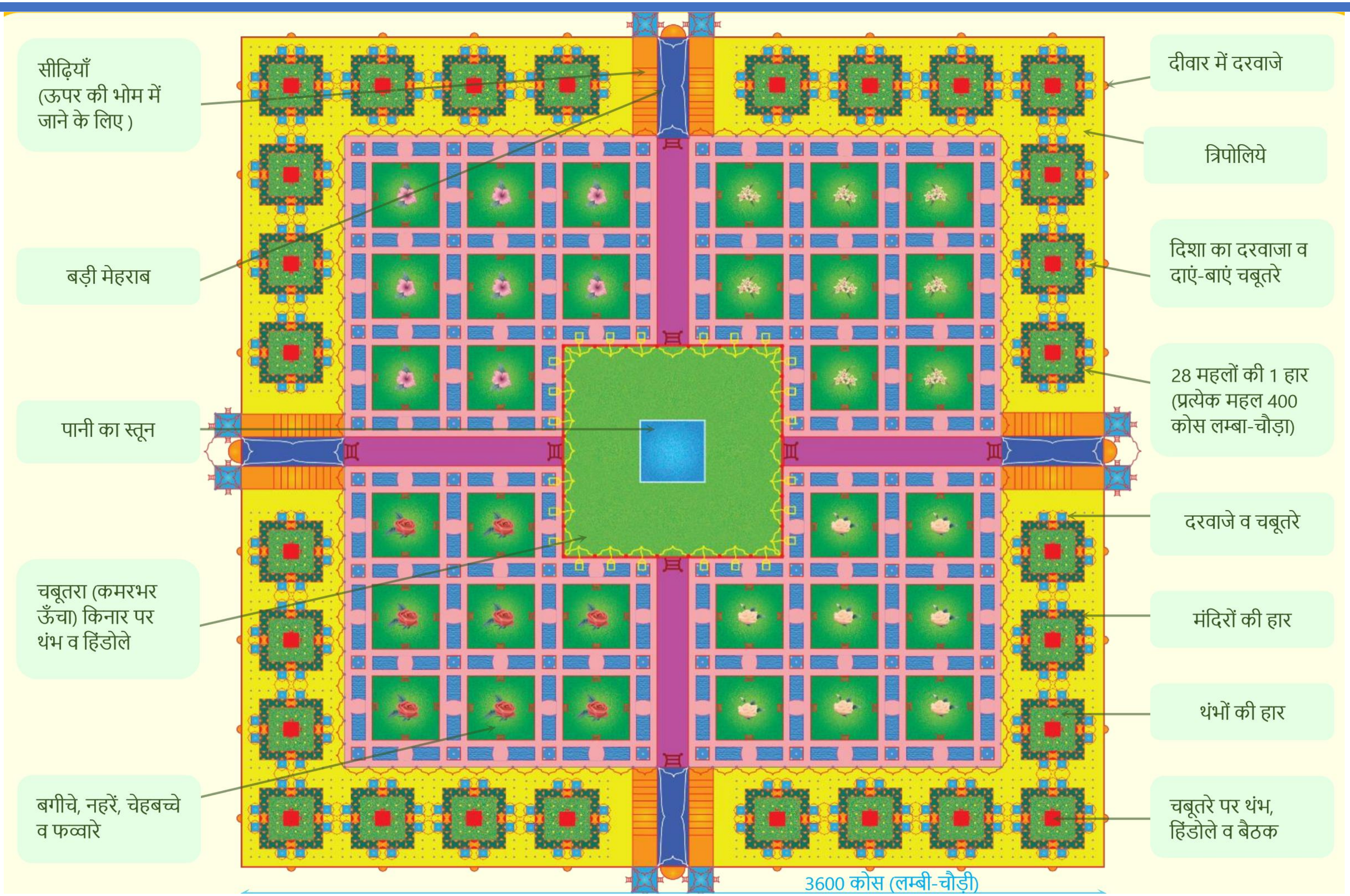

3600 कोस लंबी 3600 कोस चौडी

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के मध्य की बड़ी हवेलियाँ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

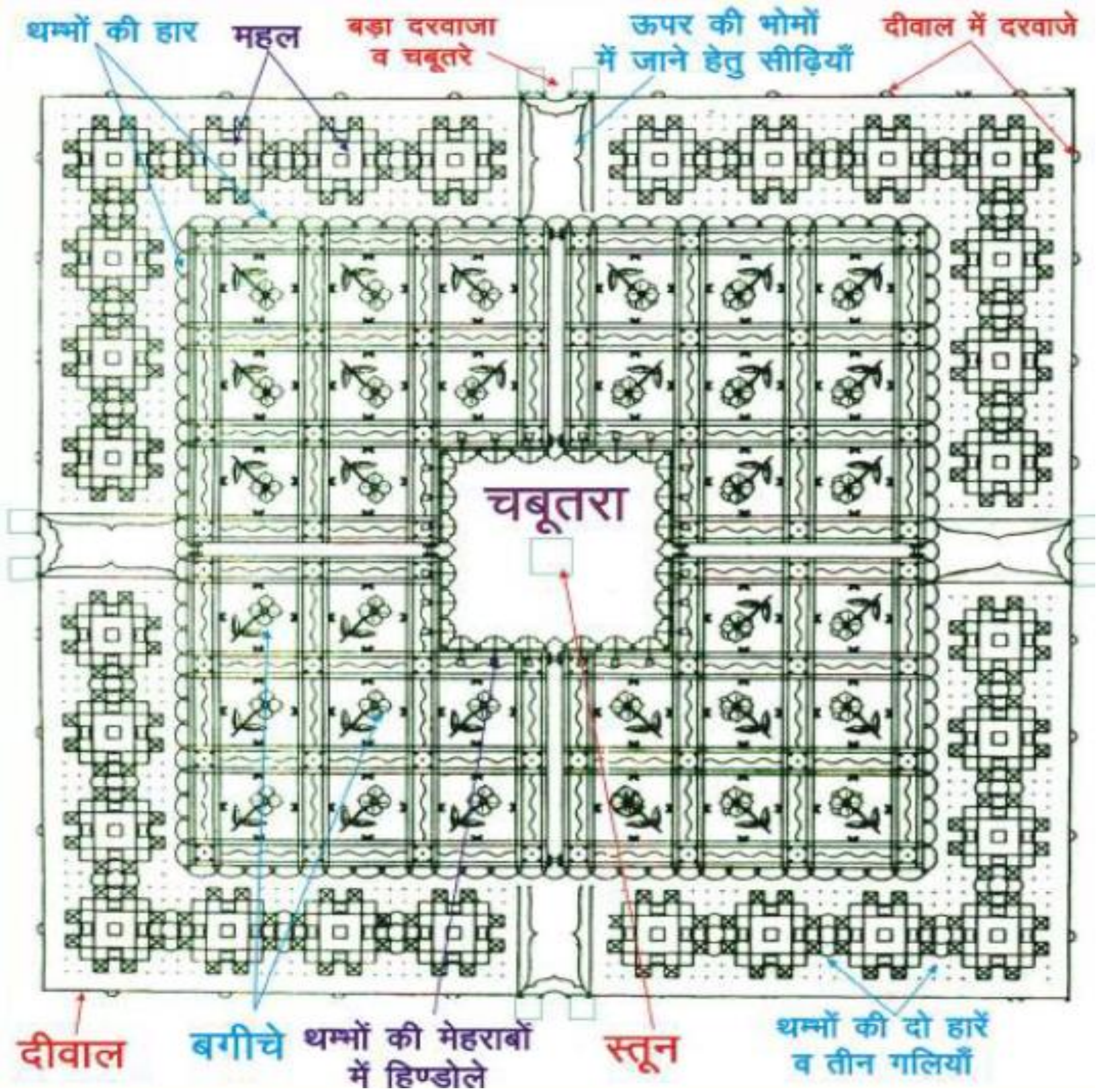

3600 कोस लंबी 3600 कोस चौडी

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के दिशा की बड़ी हवेलियाँ की शोभा

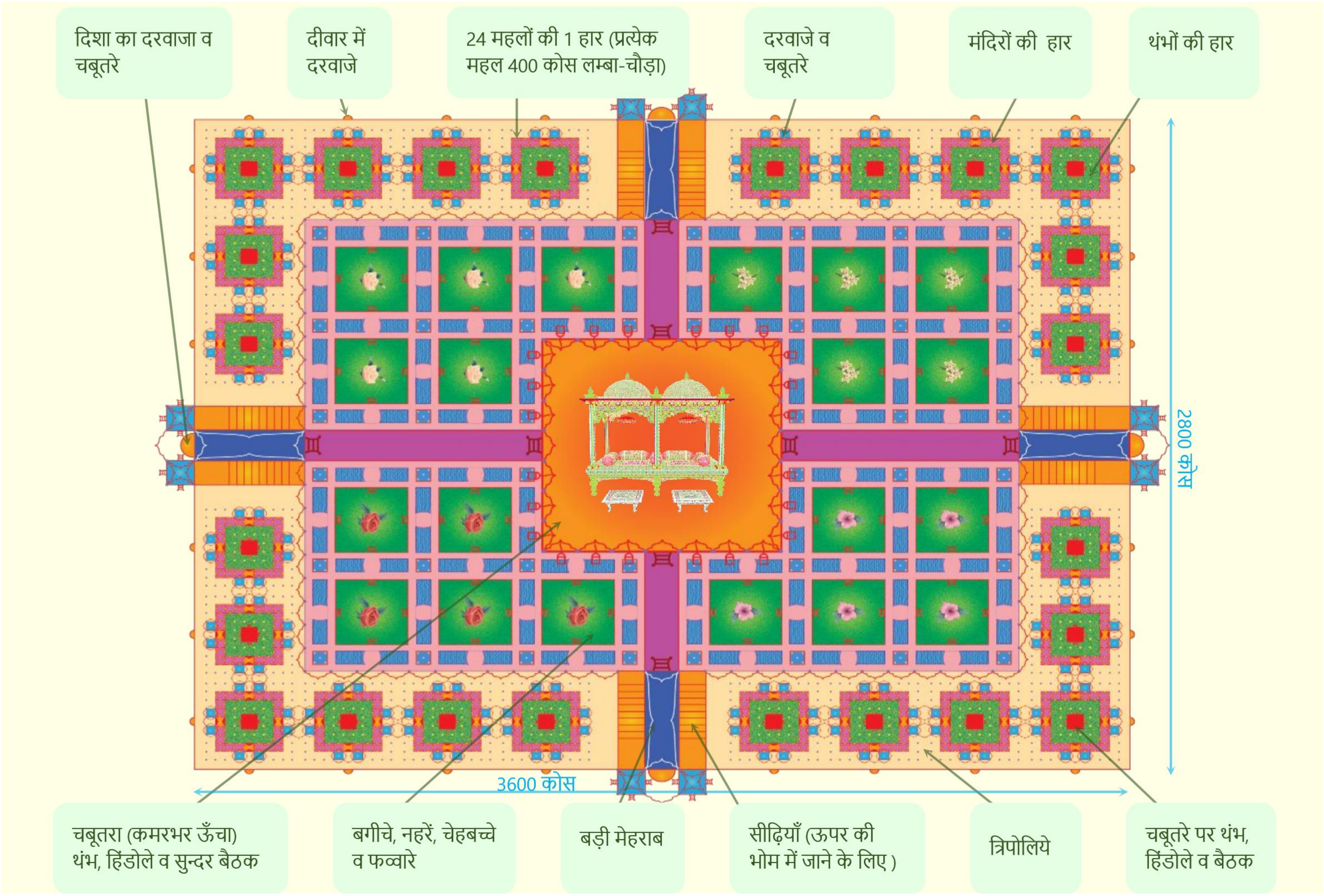

3600 कोस लंबी 2800 कोस चोडी

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के दिशा की बड़ी हवेलियाँ की शोभा

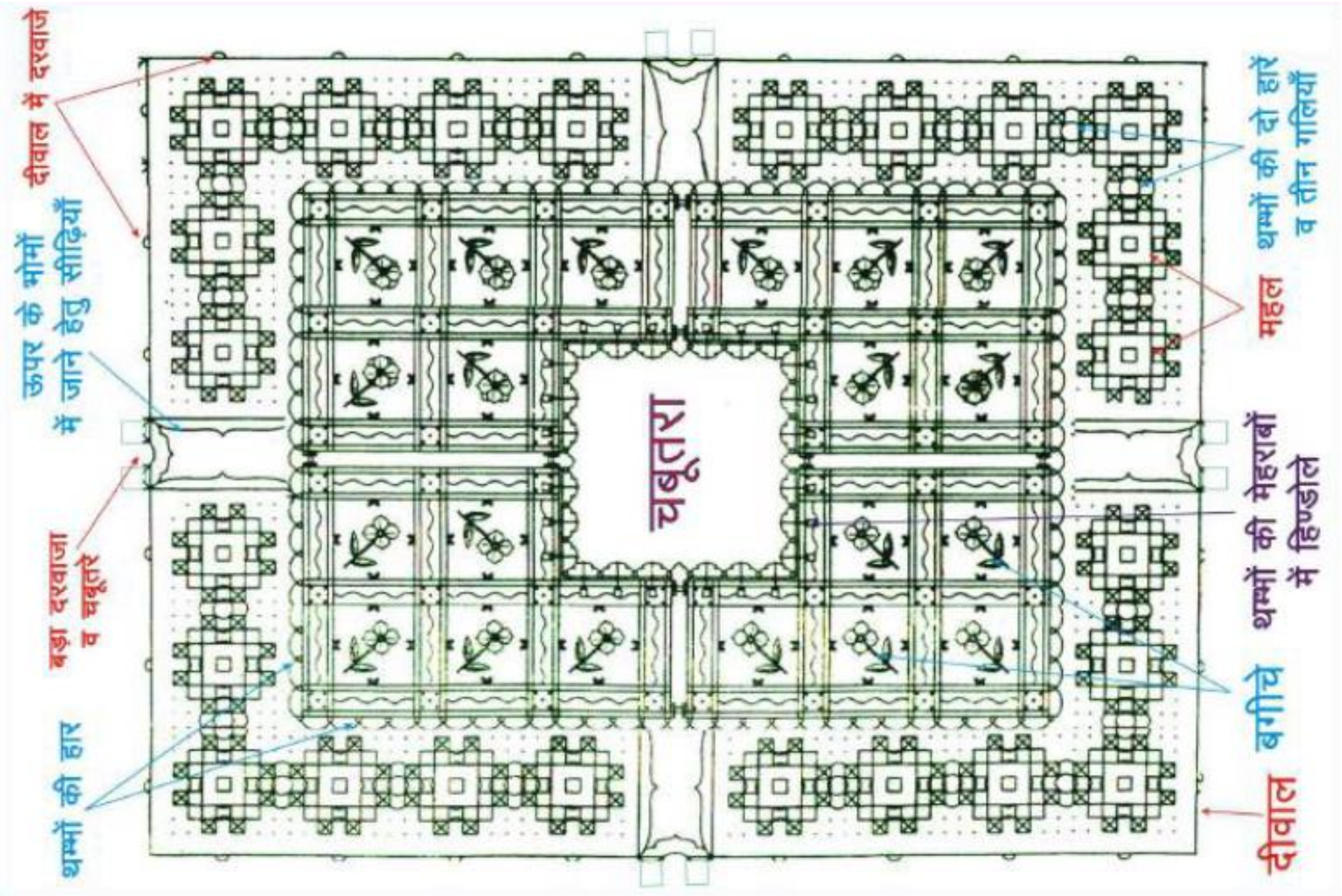

3600 कोस लंबी 2800 कोस चौडी

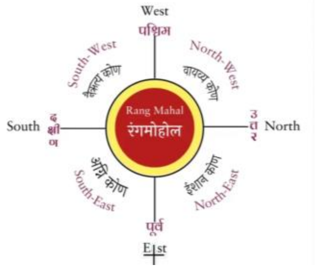

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के अन्य हवेलियाँ की शोभा

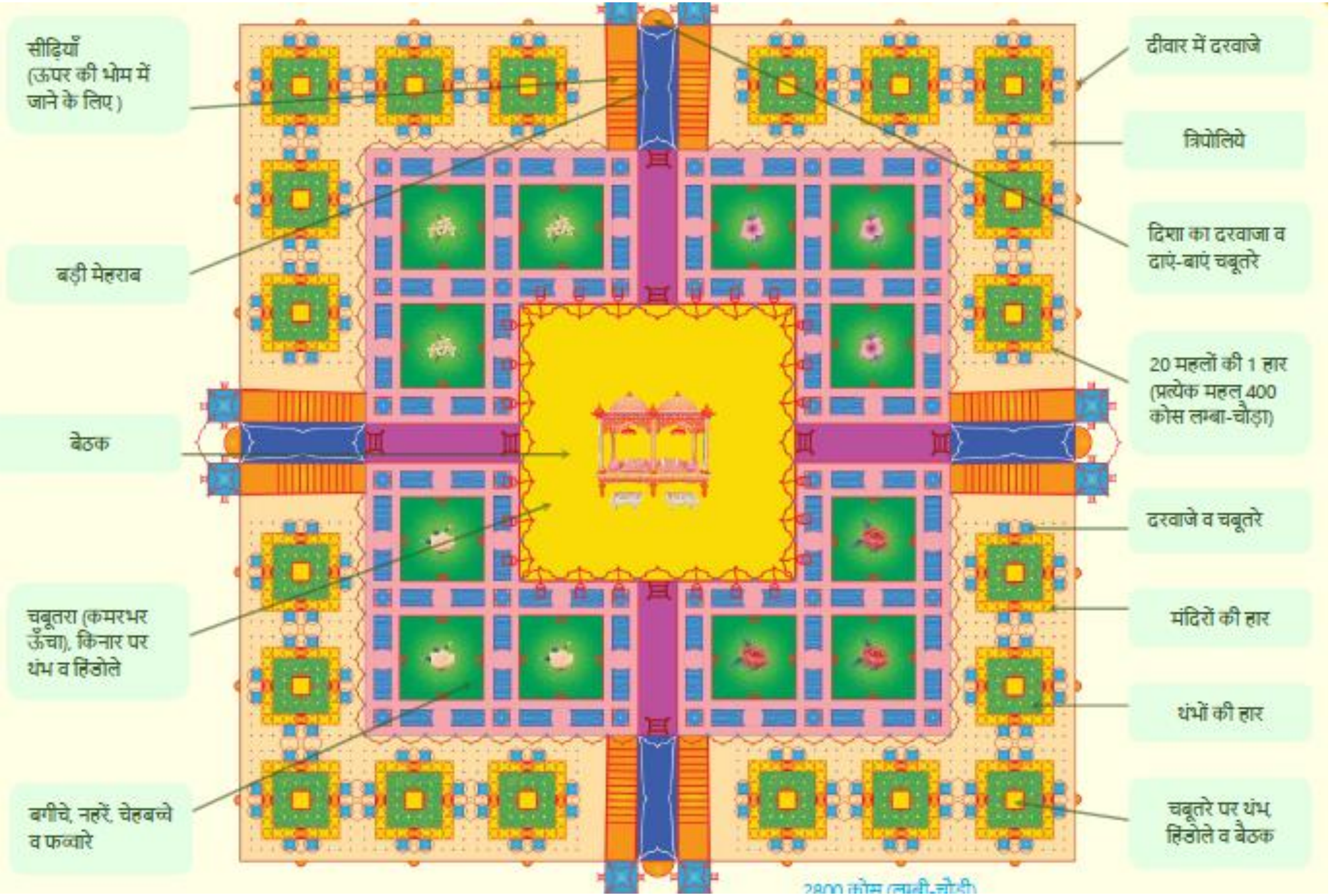

2800 कोस लंबी 2800 कोस चौडी

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के अन्य हवेलियाँ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

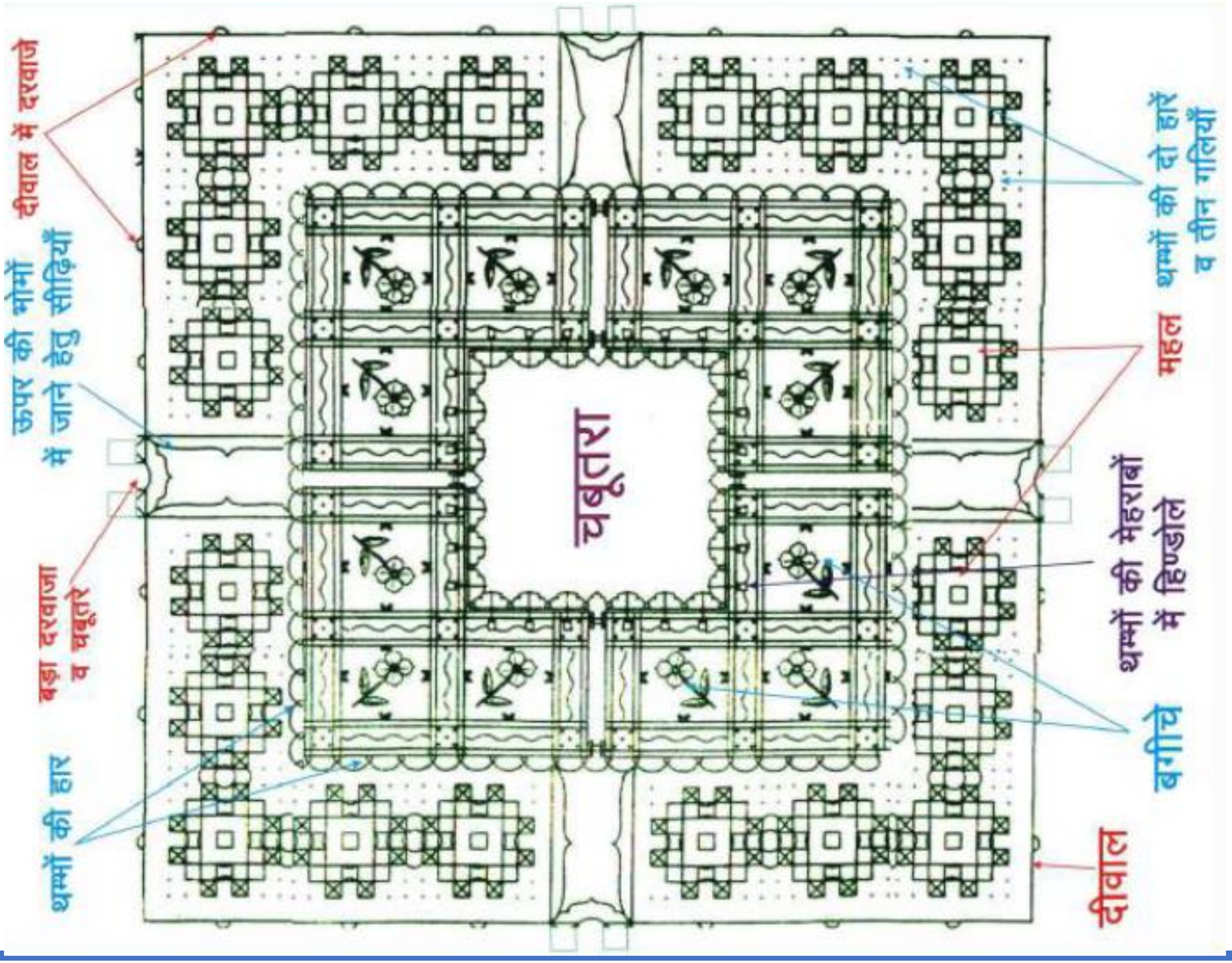

2800 कोस लंबी 2800 कोस चौडी

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल के हवेलियाँ के महल की शोभा

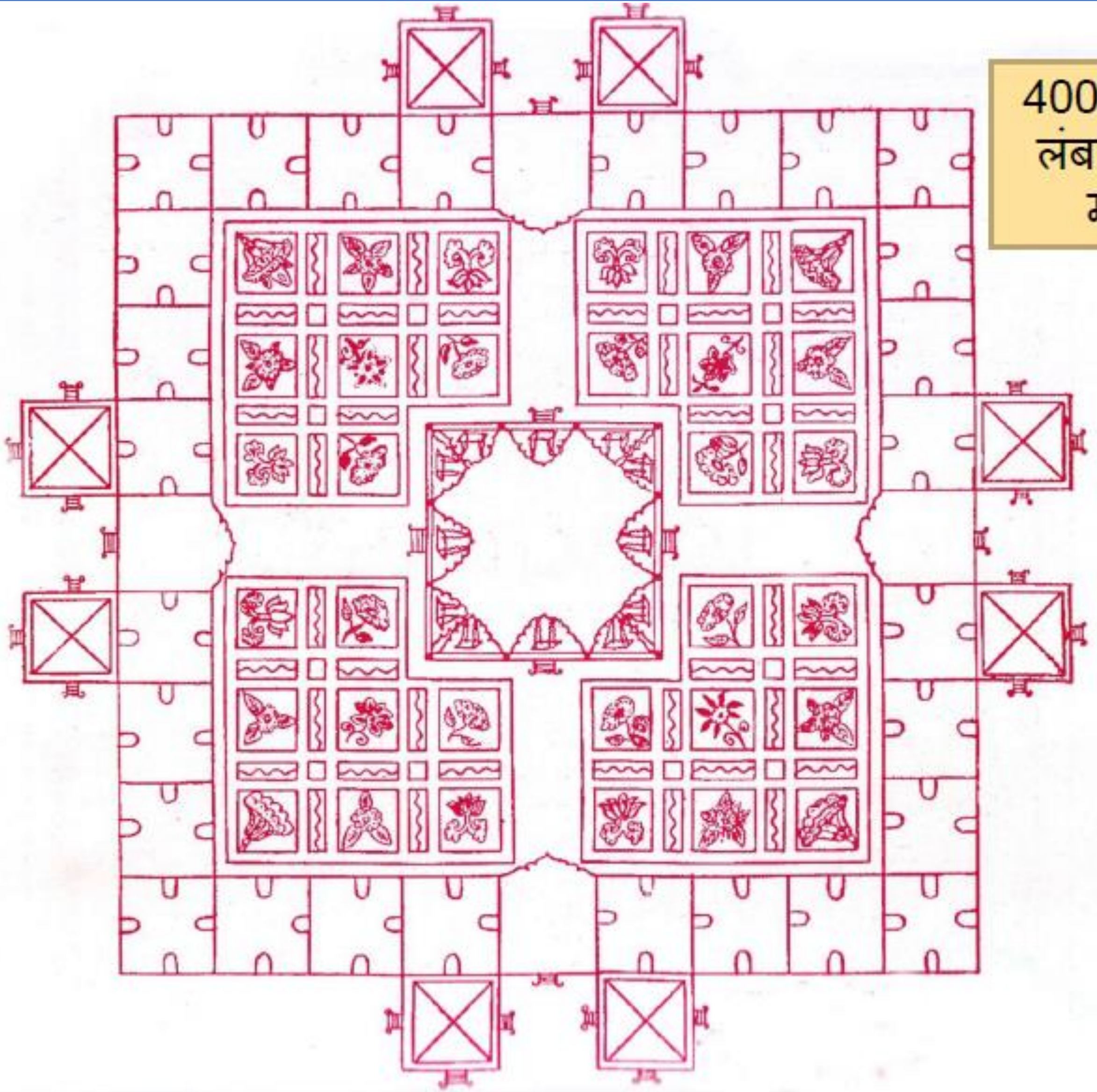

400 कोस का लंबा चौड़ा 1 मोहल

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की हवेलियाँ की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की हवेलियाँ के महल की शोभा

आकाशी मोहलातों की 1000 भोम की ऊँचाई आई है।
दरवाजे के चबूतरों के आगे से ऊपर जाने के लिए सीढियों की शोभा आई है जिससे ऊपर हर भोम में जा सकते हैं।

West
पश्चिम
North-West
North
North-East
East
पूर्व
South-East
South
South-West
Rang Mahal
रंगमोहोल

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

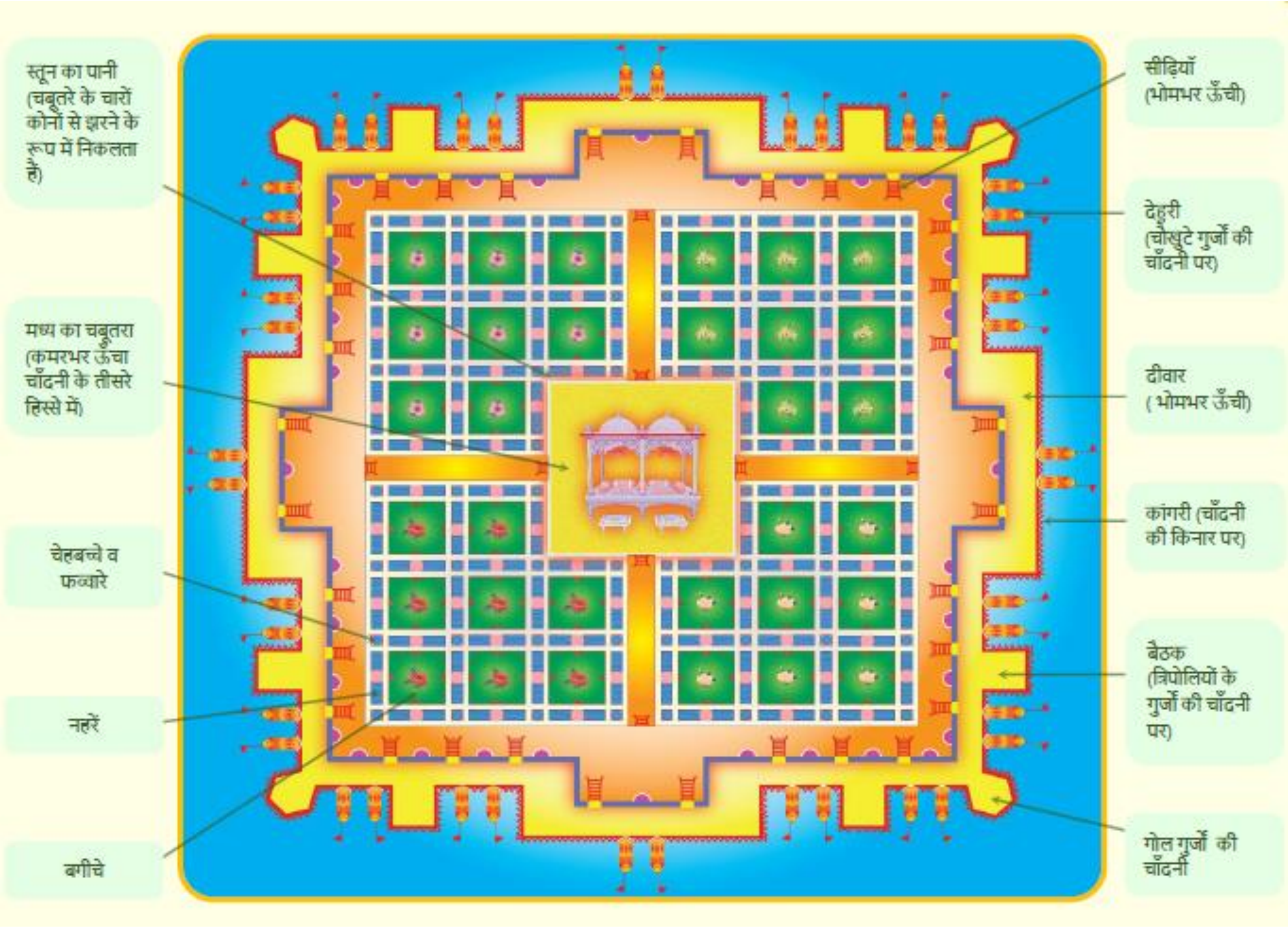

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

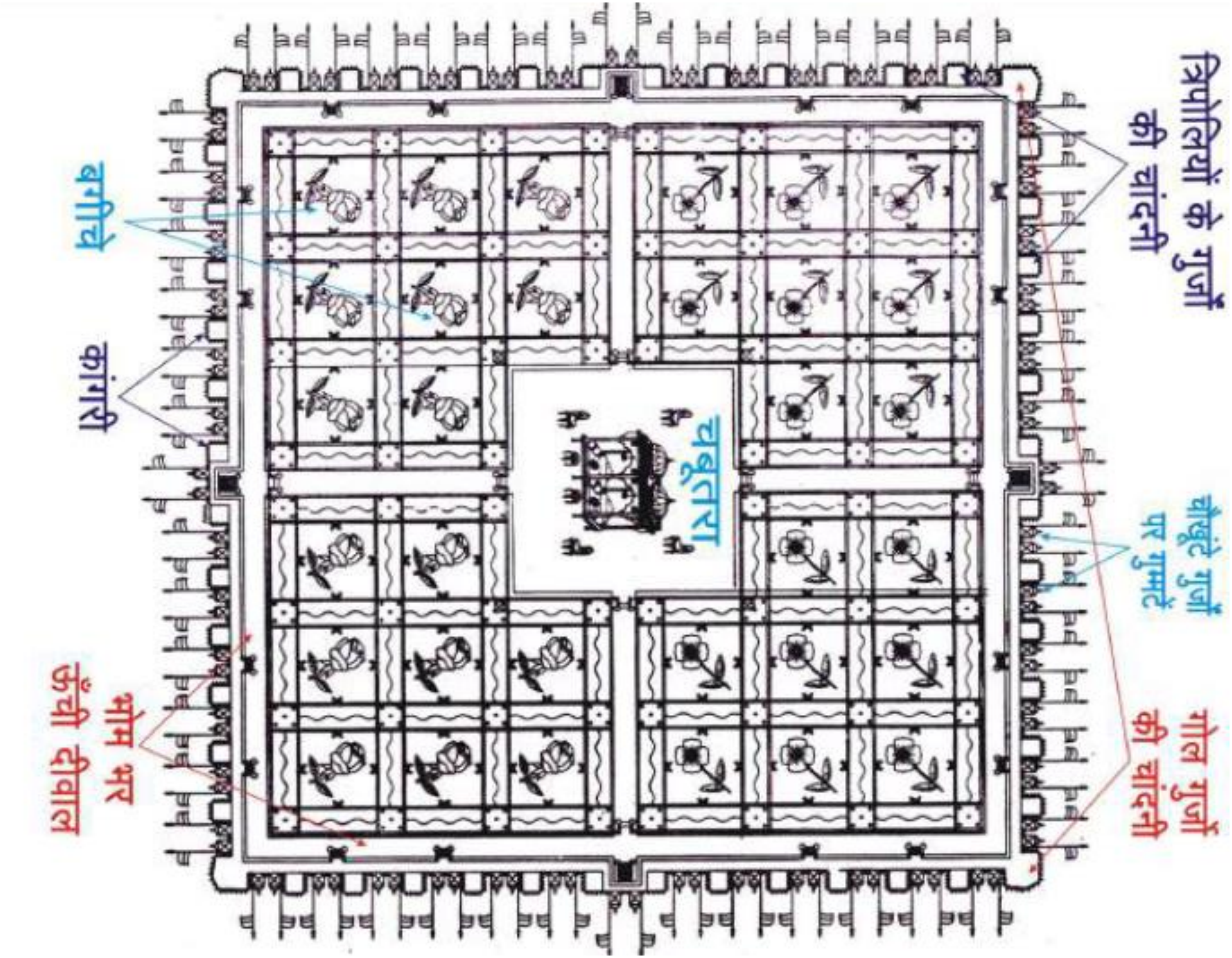

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

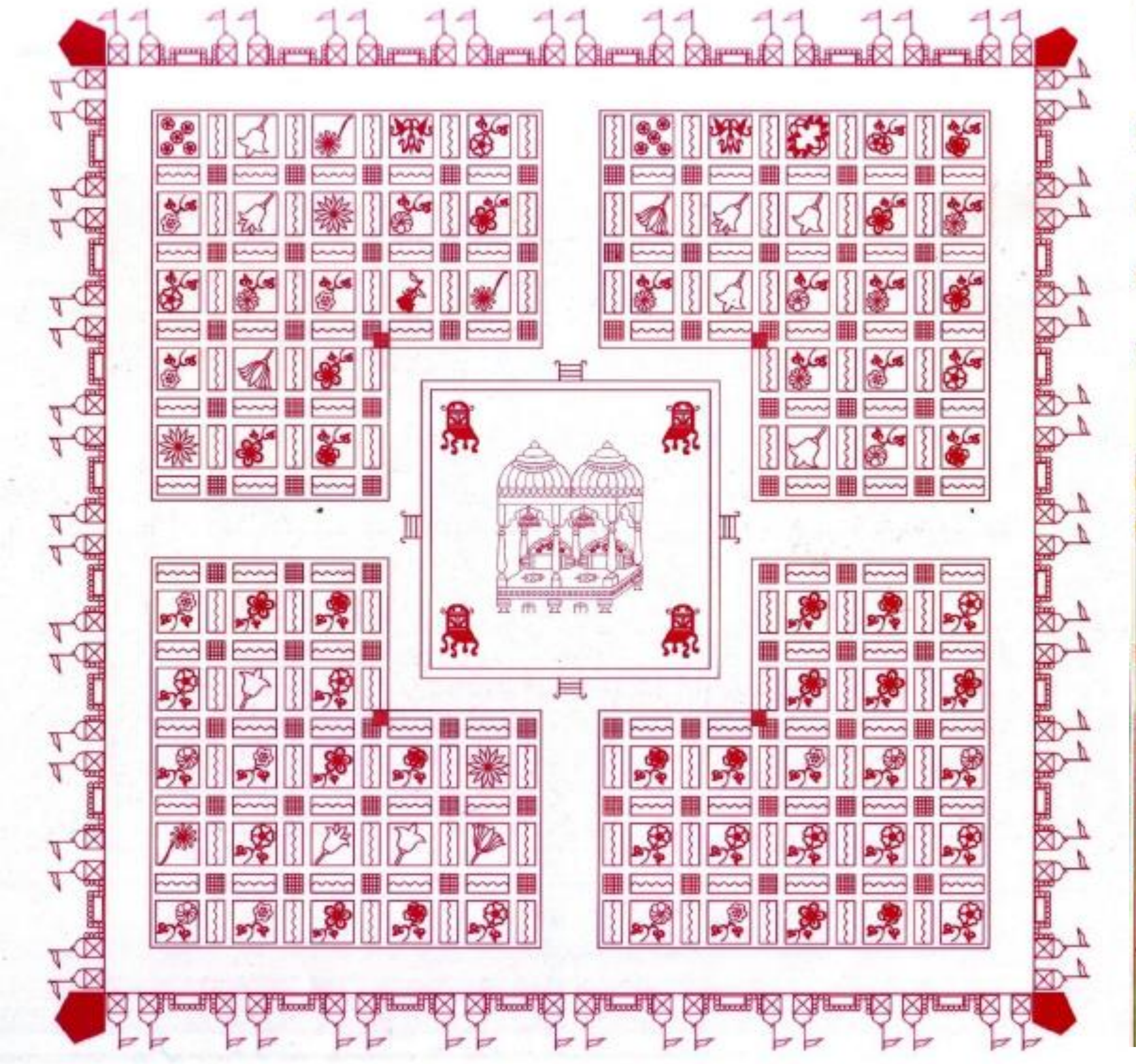

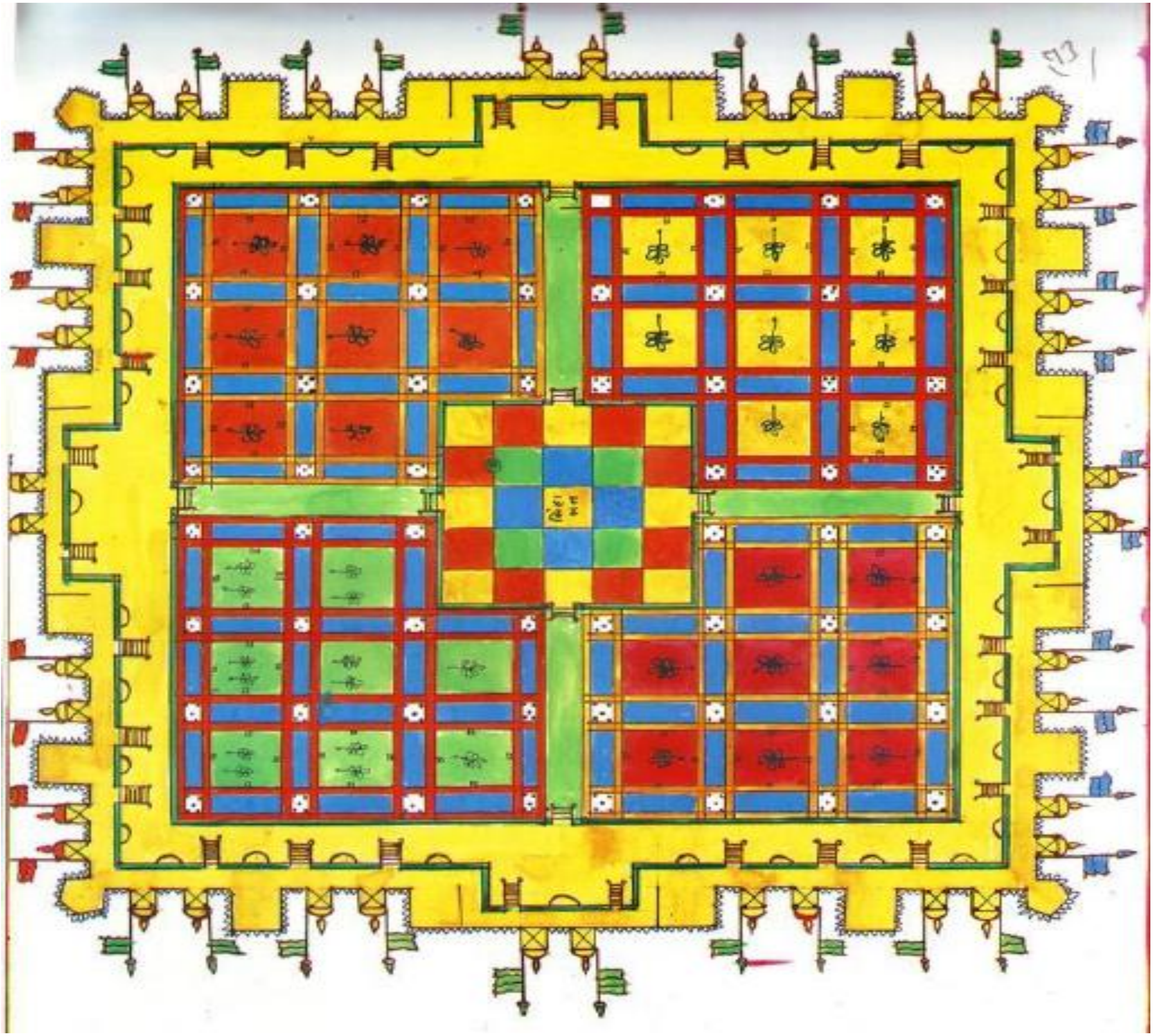

पुखराज पहाड़ के आकाशी महल की चादनी की शोभा

OR